पक पंजीयन संख्या म.प्र. -भोपाल/4-453/20-22 E-mail-janlokmanthan.sandesh.com RNI-MPHN/2017/71673

हिन्दी दैनिक

जनलोक मंथन संदेश

समाचार का निचोड़

वर्ष-8 | अंक - 48 भोपाल, बुधवार, 18 फरवरी, 2026 • मूल्य - 1 रुपये • पृष्ठ 8

न्यूज ब्रीफ

राजपाल यादव जेल से रिहा

नई दिल्ली, एजेंसी | एक्टर राजपाल यादव जेल से रिहा हो गए हैं। सभी कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद एक्टर को 17 फरवरी की शाम 5 बजे तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। वह 9 करोड़ रुपये के कर्ज और चेक बाउंस केस में तिहाड़ जेल में बंद थे। राजपाल यादव ने जेल से बाहर आने के बाद मीडिया से बात की और कहा कि उनके साथ पूरे देश का सपोर्ट रहा और अगर उन पर कोई आरोप है, तो उसका जवाब देने के लिए वह हर जगह और चौराहे पर उपलब्ध रहेंगे। साथ ही कहा कि बाकी कानूनी बातें सिर्फ उनके वकील भास्कर उपाध्याय ही बता पाएंगे।

राजपाल यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट के 4 फरवरी को आदेश के बाद 5 फरवरी को तिहाड़ जेल में सरेंडर किया था। राजपाल यादव ने भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए कोर्ट में अंतरिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी, जिस पर 12 फरवरी को सुनवाई हुई थी, पर कोर्ट ने जमानत नहीं दी और सुनवाई 16 फरवरी तक के लिए टाल दी थी। सोमवार 16 फरवरी को राजपाल यादव द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये विपक्षी पार्टी को दिए जाने के बाद उन्हें अंतरिम जमानत दी गई। हालांकि, यह सिर्फ 18 मार्च तक मिली है। 18 तारीख को राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट में मौजूद रहना होगा।

जम्मू से फरार 2 पाकिस्तानी कैदी लुधियाना में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी | जम्मू के एक किशोर निगरानी गृह से फरार हुए दो पाकिस्तानी नागरिकों को घटना के 24 घंटे के भीतर पंजाब के लुधियाना में गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ये गिरफ्तारियां जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा की गईं, जबकि तीसरा फरार आरोपी, जो एक स्थानीय गैंगस्टर है, अभी भी फरार है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी नागरिकों का पीछा करते हुए पुलिस दल ने उन्हें पंजाब के लुधियाना के एक गांव में पकड़ा और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

पाकिस्तानी नागरिक और एक स्थानीय कैदी सोमवार को जम्मू के सीमावर्ती इलाके में स्थित एक किशोर सुधार गृह से कथित तौर पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला करने के बाद फरार हो गए। यह घटना शाम करीब 5:30 बजे आरएस पुरा स्थित किशोर निगरानी गृह में घटी। फरार हुए कैदियों की पहचान अहसान अनवर (मोहम्मद अनवर का पुत्र, निवासी ननकाना साहिब, पंजाब, पाकिस्तान), मोहम्मद सनाउल्लाह (मोहम्मद जफ्फर का पुत्र, निवासी बस्ती जावेवाला, तहसील दीनपुर, मुजफ्फरबाद, पाकिस्तान), और करनजीत सिंह उर्फ गुग्गा (अर्जुन सिंह का पुत्र, निवासी डबलेहर, आरएस पुरा) के रूप में हुई।

कैदियों ने भागने के दौरान दो पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया। घायल पुलिसकर्मियों की पहचान विनय कुमार (विशेष पुलिस अधिकारी, एसपीओ) और हेड कांस्टेबल परवीन कुमार के रूप में हुई, जो घटना के समय ड्यूटी पर थे।

उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। फरार होने की घटना के बाद पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। कई विशेष टीमें गठित की गईं और राज्यों के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसके परिणामस्वरूप लुधियाना से दो पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। अब प्रयास तीसरे फरार आरोपी करणजीत सिंह उर्फ गुग्गा को ढूंढने और पकड़ने पर केंद्रित हैं, जो अभी भी फरार है।

मैक्रों के साथ पीएम मोदी का ऐलान

भारत-फ्रांस बनाएंगे एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ाने वाला हेलीकॉप्टर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2026 भारत-यूरोप संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है. पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस आतंकवाद के हर रूप को जड़ से मिटाने के लिए प्रतिबद्ध है.

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम पीएम मोदी ने कहा कि फ्रांस भारत के सबसे पुराने स्ट्रैटजिक पार्टनर में से एक है. उन्होंने कहा, 'आज हम अपने संबंधों को स्पेशस, ग्लोबल, स्ट्रैटिजिक पार्टनरशिप के रूप में स्थापित कर रहे हैं. यह ग्लोबल स्टेबिलिटी और प्रोग्रेस की पार्टनरशिप है. राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मिलकर हमने इस स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप को अभूतपूर्व गहराई और ऊर्जा दी है.'

पीएम मोदी ने H-125 हेलीकॉप्टर का किया जिक्र - पीएम मोदी ने एच-125 हेलीकॉप्टर के बारे में बात करते हुए कहा, 'हमें गर्व है कि भारत और फ्रांस मिलकर माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ान भरने वाला विश्व का पहला हेलीकॉप्टर

भारत में बनाएंगे. इसे हम पूरे विश्व को एक्सपोर्ट करेंगे. भारत और फ्रांस के बीच कोई बाउंड्री नहीं है. कुछ ही दिन पहले हमने ईयू से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया, ये फ्री ट्रेड एग्रीमेंट भारत और फ्रांस के संबंधों में भी अभूतपूर्व गति लाएगा.'

पीएम मोदी ने कहा, 'इनोवेशन आईसोलेशन से नहीं, बल्कि कोलेबोरेशन से होता है. हर क्षेत्र में हम अपनी इंडस्ट्री और इनोवेशन को कलेक्ट करेंगे. हम अपने स्टूडेंट और रीर्सच के आदान-प्रदान को सुगम बनाएंगे. आज दुनिया अनसर्टेनिटी के दौर से गुजर रही है, हम इंटरनेशनल सोलर एलांएस, IMEC के जरिए समृद्धि को बल देते रहेंगे.'

आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए प्रतिबद्धः पीएम मोदी - ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने आतंकवाद और दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों छाए जंग की आहट की ओर इशारा किया. उन्होंने कहा, 'यूक्रेन, पश्चिमी एशिया या फिर इंडो पेसिफिक, हम हर क्षेत्र में शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे. आतंकवाद के हर रूप और स्वरूप को जड़ से मिटाना हमारी साझी प्रतिबद्धता है. हम जल्द ही फ्रांस में स्वामी विवेकानंद कल्चर खोलने जा रहे हैं. आज हम मिलकर एक नए अध्याय का शुभारंभ कर रहे हैं.'

पीएम मोदी ने कहा, 'हम हेल्थ में एआई के लिए इंडो-फ्रेंच सेंटर, डिजिटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के लिए इंडो-फ्रेंच सेंटर और एयरोनॉटिक्स में स्किलिंग के लिए नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लॉन्च करेंगे.

5 राज्यों में चुनावी शंखनाद की तैयारी, चुनाव आयोग मार्च के मध्य में कर सकता है तारीखों का ऐलान

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम मार्च के मध्य में घोषित कर सकता है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इन चारों राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में मतदान अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग सभी पांच विधानसभाओं के चुनाव की तारीखें मार्च के मध्य में एक साथ घोषित करने की योजना बना रहा है। हालांकि, मतदान राज्य के अनुसार कई चरणों में भी हो सकता है।

पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो रहा है। पुडुचेरी विधानसभा का कार्यकाल 15 जून को समाप्त हो रहा है, जबकि असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमशः 20 मई, 23 मई, 10 मई और 7 मई को समाप्त होगा। चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं और तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव वाले राज्यों का दौरा कर रहा है। चुनाव आयोग की एक टीम वर्तमान में असम में चुनाव तैयारियों की समीक्षा कर रही है।

पिछले विधानसभा चुनावों में, पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में मतदान हुआ था, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक था। असम में दो चरणों में मतदान हुआ, जबकि तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक-एक चरण में चुनाव हुए थे।

पति - पत्नी विवाद पर हाई कोर्ट का बड़ा आदेश, कहा- भरण-पोषण कोई दान नहीं, बल्कि पत्नी का अधिकार

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने इस बात की पुष्टि की है कि अलग रह रही पत्नी को भरण-पोषण देना दान नहीं बल्कि एक अधिकार है, जिसका पालन न्याय, निष्पक्षता और सद्भाव को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

पारिवारिक न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखते हुए, जिसमें चिन्नम किरणमयी स्माइली को 7,500 रुपये प्रति माह और उनके नाबालिग बेटे को 5,000 रुपये प्रति माह भरण-पोषण देने का आदेश दिया गया था, न्यायमूर्ति वाई लक्ष्मण राव ने कहा कि भारत में भरण-पोषण संबंधी न्यायशास्त्र न्यायपालिका के दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

न्यायमूर्ति राव ने कहा कि यह संकल्प यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कोई भी पत्नी, बच्चा या आश्रित माता-पिता उन लोगों की उपेक्षा के कारण गरीबी में जीवन यापन करने के लिए मजबूर न हो, जो कानूनी रूप से उनका भरण-पोषण करने के लिए बाध्य हैं।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने 9 फरवरी को अपने आदेश में कहा अदालतों ने लगातार दोहराया है कि भरण-पोषण कोई दान नहीं बल्कि एक अधिकार है, और निष्पक्षता, न्याय और सद्भाव को बनाए रखने के लिए इसका अनुपालन आवश्यक है।

इस प्रकार, भारत में भरण-पोषण संबंधी न्यायशास्त्र न्यायपालिका के इस संकल्प का प्रमाण है कि कोई भी पत्नी, बच्चा या आश्रित माता-पिता उन लोगों की उपेक्षा के कारण गरीबी में जीवन यापन करने के लिए विवश न हो जाएं, जिन पर कानूनी रूप से उनका भरण-पोषण करने का दायित्व है।

मुर्शिदाबाद में बन रही बाबरी मस्जिद पर सीएम की तीखी टिप्पणी

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार (16 फरवरी, 2026) को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस (TMC) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद निर्माण के ऐलान पर तीखी टिप्पणी की है. उन्होंने कहा कि यह तो बाबरी मस्जिद का सिर्फ पुतला है, असली (मस्जिद) नहीं. जब असली मस्जिद ही आज नहीं है, तो उसका पुतला क्या करेगा?

दरअसल, टीएमसी से सस्पेंड विधायक हुमायूं कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद के तर्ज पर मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा इलाके में भी बाबरी के नाम से ही मस्जिद बनाने का काम शुरू किया. जिस पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के

अपने दौरे के दौरान तीखी टिप्पणी की.

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में इस मस्जिद के निर्माण को लेकर पहले ही कई तरह की चर्चाएं सामने आ चुकी हैं. हुमायूं कबीर ने इस बात की घोषणा की कि बेलडांगा के रेजिनगर में बन रहा बाबरी मस्जिद अगले दो समय में पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा. यह मस्जिद करीब 11 एकड़ की जमीन पर बन रही है, जहां एक साथ 12 हजार के ज्यादा लोग एक साथ नमाज अदा कर पाएंगे.

नवजोत कौर का राहुल गांधी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, आप इस कुर्सी के लायक नहीं हैं

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | कांग्रेस से निष्कासित नेता नवजोत कौर सिद्धू ने पार्टी नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर जमीनी हकीकतों से बेखबर होने का आरोप लगाया और 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की भविष्यवाणी की। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक रैली को संबोधित करते हुए सिद्धू ने कहा कि गांधी समझदारी की बातें तो करते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पंजाब इकाई में कथित अनियमितताओं को उजागर करने के लिए

आठ महीने का समय मांगा था, जिसमें चुनाव टिकटों की 'बिक्री' के आरोप भी शामिल थे, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई।

नवजोत कौर ने एएनआई को बताया कि वो बातें तो अच्छी करते हैं, समझदारी की बातें करते हैं। लेकिन उनके काम और बातें बिलकुल अलग हैं। पिछले आठ महीनों से मैं उनसे समय मांग रही हूं ताकि उन्हें बता सकूं कि पंजाब में उनके लोग, उनके अध्यक्ष, न्याय नहीं कर रहे हैं। वो पंजाब में कांग्रेस को खत्म कर रहे हैं। मैं उनसे पद मांग रही हूं ताकि उन्हें बता सकूं कि पंजाब में आपकी पार्टी बर्बाद हो रही है। आपको अपने नीचे काम करने वाले लोगों को देखना चाहिए। और अगर आपको पता ही नहीं है कि क्या हो रहा है, तो आप इस पद के लायक नहीं हैं।

भारत ने बढ़ाया दोस्ती का हाथ, बांग्लादेश के नए पीएम तारिक रहमान को दिया दिल्ली आने का न्योता

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार (17 फरवरी) को बांग्लादेश के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत बधाई पत्र सौंपा. ओम बिरला, विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ भारत सरकार की ओर से रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए. लोकसभा अध्यक्ष ने मालदीव के राष्ट्रपति, भूटान के प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं से भी मुलाकात की.

तारिक रहमान को मिला दिल्ली आने का न्योता - लोकसभा अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के साथ एक सार्थक बैठक संपन्न हुई. मैंने पीएम मोदी का व्यक्तिगत पत्र उन्हें सौंपा, जिसमें पीएम मोदी ने तारिक रहमान को जल्द से जल्द भारत आने का निमंत्रण दिया.'

तारिक रहमान के साथ बैठक को लेकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, 'मैंने भारत की जनता की ओर से हार्दिक बधाई दी और अपने दोनों पड़ोसी देशों के बीच स्थायी साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.'

असम चुनाव से पहले गिरा कांग्रेस का बड़ा विकेट

बीजेपी में शामिल होंगे भूपेन बोरा, सीएम ने बताई तारीख

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | असम में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी राजनीतिक हलचल हुई है. असम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार (17 फरवरी 2026) को राज्य के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा से मुलाकात की. इस मुलाकात के बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भूपेन बोरा 22 फरवरी को बीजेपी में शामिल होंगे. असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने सोमवार (16 फरवरी 2026) को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था.

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने बोरा का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है और उन्हें इसे वापस लेने के लिए मनाने की कोशिश की थी. इसके बाद, उन्होंने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए समय मांगा था.

भूपेन बोरा बीजेपी में शामिल होंगेः हिमंता बिस्वा सरमा - असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, 'दिलीप सैकिया भूपेन बोरा के बीजेपी में शामिल होने से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरी करेंगे. उनके साथ गुवाहाटी और उत्तर लखीमपुर में कई कांग्रेस नेता भी बीजेपी में शामिल होंगे. वे कांग्रेस में आखिरी मान्यता प्राप्त हिंदू नेता हैं. हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने उनके पार्टी शामिल होने को मंजूरी दे दी है और उनका स्वागत किया है.'

'बीजेपी में शामिल होना घर वापसी जैसा' - असम के सीएम ने कहा, 'भूपेन बोरा को पूरा सम्मान और गरिमा दी जाएगी. बीजेपी में शामिल होना उनके लिए घर वापसी जैसा होगा क्योंकि यह एक ऐसी पार्टी है जिसमें उनके जैसे कई लोग हैं, जिनके पिता किसी उच्च पद पर नहीं रहे. कांग्रेस अब मुख्यधारा के असमिया लोगों की पार्टी नहीं रह गई है.'

उन्होंने कहा, 'एक सच्चा कांग्रेसी नेता इस बात से दुखी होगा कि उसकी पार्टी चुनाव जीतने के लिए संघर्ष नहीं कर रही है. मैंने भी यही पीड़ा झेली थी. जब मैं बीजेपी में शामिल होने गया, तब मुझे भी ऐसे फोन आए थे. ये लोग सामंतों की तरह जीते हैं.

भारत के तगड़े एक्शन ने दुनिया को हिलाया

3 तेल टैंकर्स को बीच समुंदर से खींचकर किया जब्त

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने मुंबई के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में तेल की तस्करी के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अत्याधुनिक अभियान में तेल और तेल आधारित माल से लदे तीन विदेशी जहाजों को रोका गया और जब्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ये जहाज कथित तौर पर रूस और ईरान जैसे संघर्षग्रस्त देशों से सस्ता तेल प्राप्त कर रहे थे और उसे समुद्र के बीच में ही अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मोटर टैंकरों में स्थानांतरित कर रहे थे। इस तरीके से तस्कर तटीय देशों द्वारा लगाए गए करों और शुल्कों से बचते हुए भारी मुनाफा कमा रहे थे।

संदिग्ध जहाज और छिपी हुई पहचान

तीनों जहाजों, जिनकी पहचान स्टेलर रूबी, एस्फाल्ट स्टार और अल जाफजिया के रूप में हुई है, ने कथित तौर पर अपनी पहचान छिपाने के लिए अपने नाम और झंडे बदल लिए थे। हालांकि उनके आईएमओ नंबर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पहले प्रतिबंधित किए गए जहाजों से मेल खाते थे, ईरान की राष्ट्रीय ईरानी तेल कंपनी (एनआईओसी) ने इन जहाजों से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया। अधिकारियों को संदेह है कि ये जहाज खुले समुद्र में अवैध तेल हस्तांतरण में शामिल थे और नियामक निगरानी से बच रहे थे।

ऑपरेशन का विवरण

5 फरवरी को, आईसीजी के जहाजों ने मुंबई से लगभग 100 समुद्री मील पश्चिम में तीन संदिग्ध जहाजों को रोका। एक विशेष बोर्डिंग टीम ने गहन निरीक्षण किया, जिसमें शामिल थेः

इलेक्ट्रॉनिक डेटा सिस्टम की जाँच, जहाज के दस्तावेजों का सत्यापन, चालक दल से पूछताछ, जाँच में तस्करी के पूरे तौर-तरीकों का खुलासा हुआ।

अत्याधुनिक निगरानी से तस्करी नेटवर्क का खुलासा

तटरक्षक बल की प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी प्रणाली ने सबसे पहले भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के भीतर संदिग्ध रूप से संचालित एक मोटर टैंकर का पता लगाया। आगे की डिजिटल जांच और डेटा विश्लेषण से समुद्र में तेल आधारित माल के अवैध परिवहन में शामिल दो और जहाजों की पहचान करने में मदद मिली।

संक्षिप्त समाचार

जिले में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर दी गई स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (एच.पी.एन.डी.) के अवसर पर समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार देहरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के तहत बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। हितग्राहियों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श एवं सेवाओं का लाभ भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग के 565 बच्चों का टीकाकरण किया गया, जबकि 1 वर्ष से अधिक आयु के 200 बच्चों को भी वैक्सीनेशन प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त कुल 112 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित यह अभियान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के द्वारा थाना कोतवाली विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 036/2025 की विभिन्न धाराओ के फरार आरोपी कमलेश पुत्र सुंदर सिंह बिजौरिया निवासी ग्राम ढेकपुर थाना बैरसिया जिला भोपाल (म0प्र0) की सूचना देने वालो को तीन हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

विवाह समाराहों में हर्ष फायर प्रतिबंधित

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने जिले में विवाह समारोहों के दौरान बंदूक से हर्ष फायर करने पर रोक लगाई है। उन्होने कहा कि यदि कोई शस्त्र लायसेंसधारी ऐसा करता पाया जाता है तो उसके शस्त्र का लायसेंस तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा।

आयुष विभाग एवं सामाजिक न्याय विभाग द्वारा वृद्धजनों हेतु लगाए जा रहे विशेष शिविर

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय विभाग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जिले के वृद्ध एवं वरिष्ठजनों के स्वास्थ परीक्षण, योग अभ्यास एवं शारीरिक मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ पर ख्याल आदि कार्यक्रम के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. अनिल वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य के साथ योग शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में वृद्धजनों को उनकी उम्र एवं स्थिति के अनुसार आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. मीनाक्षी चौरसिया की सलाह पर योग प्रशिक्षकों द्वारा योग अभ्यास कराया गया। साथ ही स्वस्थ रहने संबंधित सलाह दी गई। उन्होने जिले के सभी सामान्य वृद्धजन एवं आम नागरिकों से आग्रह किया है कि सभी शिविरों में उपस्थित होकर स्वास्थ सेवाओं का लाभ लें। वृद्धजनों, वरिष्ठों एवं आमजनों के लिए स्थानीय वृद्ध आश्रम में आगामी 19, 20 एवं 26, 27 फरवरी को सुबह 12 बजे से शाम 4 बजे तक शिविर आयोजित किए जाएंगे।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में किए जा रहे हैं शिविर

रायसेन (निप्र)। जिले में चलाए जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के साथ ही शासन की योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। इन शिविरों के प्रभावी और सफल आयोजन हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिला अधिकारियों की शिविरों में ड्यूटी लगाई गई है। जिला अधिकारियों द्वारा संबंधित ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों का निरीक्षण करने के साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्राम पंचायत टिमरावन में शिविर आयोजित किया गया, जिसमें प्राप्त अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष प्रकरणों में नियमानुसार कार्यवाही कर निराकरण किया जा रहा है। शिविर में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायसेन के महाप्रबंधक श्री अजय सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खारी एवं बिलकिसगंज में ईको-फ्रेंडली ईंटों से निर्मित होंगे प्रधानमंत्री आवास योजना के होम-स्टे

ग्रामीणों को पर्यटन से जोड़कर आय संवर्धन का अभिनव प्रयास

सीहोर (निप्र)। जिले के ग्रामीण अंचलों में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना अब केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित न रहकर ग्रामीणों की आय वृद्धि का सशक्त माध्यम भी बनेगी। जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए जनपद पंचायत सीहोर अंतर्गत ग्राम खारी एवं बिलकिसगंज में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित होने वाले आवासों को होम-स्टे मॉडल पर विकसित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

इस पहल के अंतर्गत निर्मित आवासों के निर्माण में पारंपरिक ईंटों के स्थान पर पूर्णतः इको-फ्रेंडली ईंटों का उपयोग किया जाएगा। राख एवं कृषि अवशेषों से निर्मित ये ईंटें थर्मल इंसुलेशन युक्त होने से ग्रीष्म ऋतु में घर को ठंडा तथा शीत ऋतु में गर्म बनाए रखने में सहायक होंगी। साथ ही इनसे निर्माण लागत में कमी आने के साथ बाह्य प्लास्टर की आवश्यकता भी न्यूनतम रहेगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। जिला पंचायत, ग्रामीण आवास योजना प्रकोष्ठ के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को होम-स्टे संचालन हेतु प्रेरित एवं मार्गदर्शित किया जाएगा, ताकि वे अपने आवास को आय सृजन के साधन के रूप में विकसित कर सकें।

ग्राम बिलकिसगंज एवं खारी प्राकृतिक सौंदर्य, ग्रामीण परिवेश एवं शांत वातावरण के लिए विख्यात हैं। भोपाल के समीप स्थित होने के कारण यहां वीकेंड पर्यटन की व्यापक संभावनाएं विद्यमान हैं।

वर्तमान में क्षेत्र में संचालित होम-स्टे पर्यटकों द्वारा निरंतर बुक रहते हैं। प्रस्तावित योजना के क्रियान्वयन से पर्यटकों को ग्रामीण जीवन शैली, पारंपरिक भोजन, खेत-खलिहानों की सैर तथा स्थानीय लोक संस्कृति का अनुभव प्राप्त हो सकेगा।

होम-स्टे की संख्या में वृद्धि से ग्राम स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। महिला स्वसहायता समूहों एवं ग्रामीणों द्वारा हस्तशिल्प, दुग्ध उत्पाद, देसी घी, अनाज एवं स्थानीय उत्पादों का विक्रय किया जा सकेगा। साथ ही लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को भी आय अर्जन का अवसर प्राप्त होगा।

सीहोर जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल ने बताया कि खारी एवं बिलकिसगंज में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित आवासों को होम-स्टे मॉडल पर विकसित करने हेतु हितग्राहियों को प्रेरित किया जाएगा। इको-फ्रेंडली ईंटों के उपयोग से निर्मित ये आवास टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल होंगे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाते हुए स्वरोजगार से जोड़ना तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है। पर्यटकों की आवक बढ़ने से विलेज टूरिज्म को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

माखननगर में लापता 4 वर्षीय बालक एक घंटे में मिला

टीआई ने सोशल मीडिया के परिजनों को खोजा, नहलाकर कपड़े-चप्पल भी पहनाए

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के माखननगर टीआई अनूप उईके की तत्परता से लापता 4 साल का एक बालक अपने परिजन से मिल पाया। पुलिस निरीक्षक उइके ने सोशल मीडिया के माध्यम से बच्चे के परिजनों को एक घंटे में खोज निकाला। इतना ही नहीं टीआई ने बच्चे को नहलाया और फिर नए कपड़े चप्पल पहनाई। उसे नाश्ता भी खिलाया।

फिर बच्चे को परिजनों को सौंपा। टीआई के इस कार्य की परिजनों और ग्रामीण सराहना कर रहे है। मामला माखननगर का है। जहां शनिवार को आदिवासी समाज का एक 4 साल का बालक गुज्जरवाड़ा गांव पहुंच गया था। जिसे ग्रामीणों ने अकेला घूमते देखा। ग्रामीणों ने डॉयल 112 को कॉल कर बुलाया। पुलिस स्टॉफ बालक को थाने ले आया। थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके ने बच्चे को फोटो सोशल मीडिया के माध्यम से शेयर कर परिजनों को खोजने का प्रयास किया। कुछ ही देर में उसके परिजनों थाने पहुंचे। थाना प्रभारी उइके ने बालक को नहलाकर उसके लिए नए कपड़े और चप्पल बुलाकर पहनाई। थाना प्रभारी उइके ने बताया बालक आदिवासी समाज से है। भटककर माखननगर से चार किमी दूर गुज्जरवाड़ा चला गया था। सोशल मीडिया के माध्यम से परिजनों को खोजा गया।

घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए निरंतर की जा रही है छापामार कार्रवाई

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों, होटलों एवं प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसाय के लिए उपयोग करने वाली दुकानों एवं संस्थानों की जांच कर उपयोग किए जा रहे घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए जा रहे हैं एवं कार्रवाई की जा रही है। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री आकाश चंदेल ने बताया कि जांच के दौरान कुबेरेश्वर धाम स्थित 13 दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर कार्रवाई करते हुए 16 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। यह कार्रवाई कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री आकाश चंदेल एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा की गई।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान तृतीय चरण

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक कर बाल विवाह रोकथाम की दी जानकारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसवा के मार्गदर्शन में सिरोंज परियोजना में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तृतीय चरण में बाल विवाह रोकथाम के संबंध में सेवाप्रताओं और आगनबाडी कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

महिला बाल विकास विभाग विदिशा से बाल विवाह रोकथाम प्रभारी श्री मुकेश ताम्रकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तृतीय चरण में की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी गई। बाल विवाह रोकथाम में सेवाप्रताओं की अहम भूमिका के बारे में बताया गया। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी दी गई।

बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 10 9 8 एवं पुलिस हेल्पलाइन 112 पर तत्काल देकर बाल विवाह को होने से पूर्व रोका जा सकता है। सेवाप्रताओं से अपील की गई कि वह किसी भी नाबालिग बच्चें के विवाह में शामिल न हो ,किसी भी प्रकार की सेवाएं न दें, बालक ध्बालिका की आयु संबंधी जानकारी परिजनों से एवं आसपास के लोगों से मालूम कर लें। सेवाप्रताओं और आगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। बाल विवाह दंडनीय अपराध है । बाल विवाह न रचें , अपराध से बचें का नारा दिया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक इमाबेला किस्पोट्टा, निर्मला इक्का, नसरीन खान, भावना बावलिया बद्री प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में अवैध खनन पर कार्रवाई

मिट्टी का अवैध परिवहन करते पकड़ाएं दो डंपर, ओवरलोड वाहन भी जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में अवैध उत्खनन के मामले सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। खनिज, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने बिना रॉयल्टी मिट्टी और रेत का परिवहन कर रहे वाहनों पर कार्रवाई की। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर टीम ने मोहासा क्षेत्र से मिट्टी से भरे दो डंपर पकड़े। इन डंपरों के ड्राइवर के पास रॉयल्टी रसीद नहीं थी। जब्त डंपरों के नंबर एमपी 16 एच 1782 और एमपी 37 जीए 2555 हैं। इन्हें आरटीओ कार्यालय परिसर में खड़ा कराया गया है।

ओवरलोड रेत के वाहन भी जब्त

जासलपुर से एक ट्रक (एमपी09जीजी2643) को ओवरलोड रेत ले जाते पकड़ा गया। वहीं इटारसी तहसील में रेत के सात ओवरलोड डंपर जब्त किए गए। इन वाहनों को कृषि उपज मंडी इटारसी और थाना रामपुर गुर्रा परिसर में सुरक्षित रखा गया है। कार्रवाई के दौरान एसडीएम जय सोलंकी, जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पहले भी सामने आ चुके हैं मामले

9 फरवरी को मोहासा फेस-2 में अवैध उत्खनन का मामला सामने आया था। एक मामला एडीएम कोर्ट तक पहुंच चुका है। पहले 1800 घन मीटर मिट्टी के अवैध उत्खनन की बात भी सामने आई थी। लगातार कार्रवाई के बावजूद अवैध परिवहन के मामले सामने आना यह दिखाता है कि मिट्टी माफिया पर अभी पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई है।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं विद्यार्थी कल्याण एनटीएफ के अंतर्गत तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

बैतूल (निप्र)। वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री सरदार विष्णु सिंह उईके शासकीय महाविद्यालय सारनी बगडोना में राष्ट्रीय टास्क फोर्स एनएफटी मानसिक स्वास्थ्य एवं विद्यार्थी कल्याण के अन्तर्गत तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य श्री प्रदीप पंद्राम एवं एनटीएफ नोडल अधिकारी डॉ. दीपक कुमार मानकर के संरक्षण में किया गया। इस कार्यशाला में श्री प्रदीप पंद्राम ने कहा कि प्रायः सभी व्यक्तियों के जीवन में कुछ न कुछ तनाव होता है। सम्मान की चाह सभी में होती है। किसी का ज्यादा, तो किसी का कम सम्मान होना भी तनाव कारण है।

तनाव व्यक्ति के भीतर नही, बल्कि बाहरी परिस्थितियों के टकराव से उत्पन्न होता है। मनुष्य के भीतर तनाव बाहरी आवरण से आता है। इसे कम करने के लिए हमें नकारात्मक से सकारात्मक की ओर अधिक से अधिक मोड़ने की कोशिश कर तनाव को काफी हद तक कम कर सकते हैं। साथ ही आपने समस्त विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ को यह तनाव प्रबंधन कार्यशाला के माध्यम से तनाव से बचने के लिए प्रेरित किया। इसके अन्तर्गत 'मैं अकेला नहीं हूँ' विषय पर विद्यार्थियों द्वारा समूह चर्चा भी की गई। छात्र भूपेन्द्र यादव ने कहा कि तनाव का कारण व्यक्ति खुद स्वयं है। व्यक्ति दूसरे के योग्यता को देखकर स्वयं की योग्यता का कम आकलन करता है, जो आगे चलकर तनाव का कारण बनता है। डॉ. गोलमन आहके ने कार्यक्रम का संचालन कर आभार व्यक्त किया तथा कहा कि विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद करियर प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ हरीश लोखंडे एवं डॉ राजेश कुमार हनोते, श्री मनोज नागले, श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ दशरु यदुवंशी, श्री उत्तम साहू, श्री दिनकर लिखितकर, श्रीमती अर्चना महाले, श्रीमती कविता धोटे, श्रीमती निकिता सोनी, श्रीमती दीपिका सोनी, श्रीमती अनीता नागले, श्रीमती गंगा चौरे, श्रीमती लक्ष्मी नागले श्रीमती श्री अनुज हलदार श्रीमती रीना उईके, सुश्री प्रियंका दवंडे एवं विद्यार्थी प्रज्ञा चतुर्वेदी, प्रगतिसिंह, अमन कश्यप, दुर्गेश वरकड़े, श्रेया परमार, पियूष पवार आदि उपस्थित रहे।

औद्योगिक क्षेत्र कोसमी में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

बैतूल (निप्र)। औद्योगिक क्षेत्र कोसमी स्थित एमपी विनीइयर्स प्राइवेट लिमिटेड में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। स्वास्थ्य टीम द्वारा श्रमिकों का वजन, ब्लड प्रेशर एवं रक्त जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान जिन श्रमिकों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पाई गई, उन्हें आवश्यक औषधि प्रदान की गई तथा आगे के उपचार के संबंध में परामर्श दिया गया।

पचमढ़ी के चौरागढ़ मेले में 2 श्रद्धालुओं की मौत

नंदीगढ़ में 50 फीट गहरी खाई में गिरा नागपुर का युवक; बुजुर्ग की हार्ट अटैक से जान गई

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में चौरागढ़ बाबा के मेले में दर्शन करने आए दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और एक महिला लापता है। नंदीगढ़ पहाड़ी पर एक श्रद्धालु की 50 फीट गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई, जबकि दूसरे श्रद्धालु की दर्शन कर लौटते समय हार्ट अटैक से जान चली गई। शुक्रवार को घटना की सूचना के बाद एसडीईआरएफ और पुलिस की टीम ने खाई से शव निकाला।

पचमढ़ी पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर लिया है और शनिवार को लापता हुई महिला की संयुक्त रूप से सर्चिंग की जा रही है। खाई में गिरने वाले मृतक की पहचान 45 वर्षीय गणेश मानवतकर के रूप में हुई है। वे नागपुर के जयंतनगर (कलमना थाना क्षेत्र) के रहने वाले थे। सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक पोस्ट से मृतक की पहचान हो पाई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गणेश मानवतकर हर साल चौरागढ़ महादेव के दर्शन के लिए आते थे। वे 9 फरवरी को नागपुर से निकले थे और नांदिया की तरफ से उन्होंने पैदल चढ़ाई शुरू की थी। इसी दौरान नंदीगढ़ की पहाड़ी (ट्रैक) से वे 50 फीट गहरी खाई में गिर गए।

एसडीईआरएफ और सिविल डिफेंस ने निकाला शवः शुक्रवार को लोगों की सूचना पर 50 फीट गहरी खाई में शव गिरा देखा गया। इसके बाद एसडीईआरएफ एवं सिविल डिफेंस की संयुक्त टीम 50 फीट गहरी खाई में उतरी। टीम ने शव को उठाकर पुलिस के सुपुर्द किया। सूचना मिलने के बाद शनिवार को मृतक की पत्नी और बेटा नांदिया पहुंच गए हैं।

दर्शन कर लौट रहे 75 वर्षीय बुजुर्ग को आया हार्ट अटैकः दूसरी घटना ग्राम नांदिया के पास पहाड़ उतरते समय हुई। यहां नसरुल्लागंज निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग मनोहर कास्दे की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। उनके साथियों ने बताया कि वे सभी चौरागढ़ महादेव के दर्शन करके पहाड़ी से नीचे उतरकर आ रहे थे। नांदिया से पहले बुजुर्ग को सीने में दर्द हुआ। उन्हें तत्काल अस्थाई मेडिकल कैंप ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

एक महिला के गिरने की भी सूचना, सर्चिंग जारी : शनिवार को श्रद्धालुओं ने पुलिस को एक और महिला के पहाड़ी से खाई में गिरने की सूचना दी। इस सूचना के आधार पर एसडीईआरएफ और पुलिस की टीम खोजबीन कर रही है। पूरे घटनाक्रम को लेकर पचमढ़ी थाना प्रभारी पदम सिंह मौर्य ने बताया, 'दो लोगों की मौत हुई है। एक की खाई में गिरने से आई चोटों से हुई। दूसरी मौत श्रद्धालु की हुई।

दूरबीन तने–लहरों पर निगाहें, चंबल में उतरी 3 राज्यों की सर्वे टीम, नदी से निकलेगी जलीयजीवों की तादाद

मुरैना. मध्य भारत की धड़कन बनी चंबल नदी इन दिनों रोमांच से उफान पर है. यहां शिकार नहीं बल्कि जल के असली राजाओं की जनगणना का महाअभियान चल रहा है. राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य में विशेषज्ञ लहरों के साथ कदम मिलाकर घड़ियाल, मगरमच्छ, डॉल्फिन और कछुओं की दुनिया गिन रहे हैं. सफर 5 फरवरी से शुरू हुआ श्योपुर के पाली घाट से और अब मुरैना से भिंड तक पहुंच चुका है. तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विशेषज्ञ मिलकर आंकड़ों की नई कहानी लिख रहे हैं. यह अभियान आगे यूपी के पचनदा तक जाएगा. जहां तय होगा इस बार चंबल के परिवार में कितने नए सदस्य जुड़े हैं. मध्य भारत की धड़कन कही जाने वाली चंबल नदी इन दिनों रोमांच और उम्मीदों की लहरों से भरी हुई है. यहां बंदूकों की नहीं, बल्कि दूरबीनों की नजरें तनी हैं, क्योंकि जलीय दुनिया के असली शासकों की सालाना जनगणना जारी है. राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य में हर साल की तरह इस बार भी फरवरी में सर्वे की शुरुआत श्योपुर जिले के पाली घाट से हुई. यह सर्वे 16 जनवरी को यूपी के पचनदा घाट पर समापन होगा. सर्वे टीम मुरैना के कुथियाना घाट से 14 फरवरी को उसैद घाट होते हुए अब भिंड पहुंच चुकी है, जबकि अंतिम पड़ाव पचनदा रहेगा. करीब 500 किलोमीटर लंबे इस नदी क्षेत्र में 12 दिन तक चलने वाला यह सर्वे केवल गिनती नहीं, बल्कि चंबल नदी के स्वास्थ्य की पूरी रिपोर्ट तैयार करता है. विशेषज्ञ घड़ियाल, मगरमच्छ, डॉल्फिन, कछुओं और अप्रवासी इंडियन स्कीमर पक्षियों के साथ-साथ नदी की गहराई, चौड़ाई और बहाव का भी वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं. खास बात यह कि मुरैना से पचनदा तक का इलाका घड़ियालों का सबसे सुरक्षित घर माना जाता है.पिछले वर्ष के आंकड़ों ने संरक्षण प्रयासों की बड़ी सफलता दिखाई थी. घड़ियाल 2564 और मगरमच्छों की संख्या 1385 तक पहुंची, जबकि डॉल्फिन 111 पर स्थिर रहीं, जो स्वच्छ जल का संकेत मानी जाती हैं. इस बार उम्मीद है कि ये रिकॉर्ड और आगे बढ़ेंगे. संयुक्त अभियान में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के वन विभागों की टीमें शामिल हैं. घड़ियाल केंद्र के केयरटेकर ज्योति डंडोतिया का कहना है कि,सर्वे के दौरान घड़ियाल, मगरमच्छ और पक्षी भी दिखाई दे रहे हैं. बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री की सदस्य प्रवीना शेख ने बताया की, हम जलीयजीवों की गणना करने के लिए चंबल आए थे. जो पक्ष प्रजनन करने के लिए आते हैं,

नाबालिग बेटियां को होटल भेजकर गलत काम करवाती थी मां

रेवाड़ी. रेवाड़ी में एक महिला द्वारा अपनी नाबालिग बेटी से जबरदस्ती गलत काम करवाने का मामला प्रकाश में आया है। पता चलने पर दादी ने पुलिस से अपनी नाबालिग पौती को बचाने की गुहार लगाई। जिसके बाद पुलिस ने मध्यप्रदेश निवासी नाबालिग की मां और बिहार निवासी होटल मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। मध्यप्रदेश निवासी महिला ने पुलिस को शिकायत दी। उसने बताया कि उसकी पुत्रवधू 11 साल से बेटे से अलग रह रही है। चार बेटियों में से एक को वह पहले से अपने साथ रखती थी। करीब छह माह पहले मध्यप्रदेश आई। बिना किसी को बताए वह दो और बेटियों को अपने साथ ले गई। उन्होंने दोनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी। फिलहाल वह तीन बेटियों के साथ रेवाड़ी में किराए पर रहती है।महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि मोहल्ले में आसपास रहने वाले लोगों ने कुछ दिन पहले उसे फोन किया। फोन पर उसे छह माह पहले अपने साथ लाई गई दोनों बेटियों से गलत काम करवाने की जानकारी दी। महिला की शिकायत पर रामपुरा थाना पुलिस ने केस दर्ज किया।

माइक्रोचिप से होगी कुत्तों की मॉनिटरिंग, कालापानी में बनेगा मध्य प्रदेश का पहला स्मार्ट डॉग शेल्टर

भोपाल. सड़कों पर बढ़ते डॉग बाइट के मामलों से देश में श्वानों को लेकर डर का माहौन बन गया है. इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने भी बढ़ते डॉग बाइट को लेकर मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों से जबाव मांगा है. जिसके बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगे हुए कालापानी में प्रदेश का पहला स्मार्ट डॉग शेल्टर होम बनाने की तैयारी हो रही है. यहां हर कुत्ते की पहचान माइक्रोचिप से होगी और उसका पूरा मेडिकल व मूवमेंट रिकार्ड ऑनलाइन दर्ज रहेगा.देशभर में आवारा कुत्तों के हमलों और बढ़ती आबादी को लेकर सुप्रीम कोर्ट लगातार राज्यों से जवाब मांग रहा है. मध्य प्रदेश ने भी अपनी कंप्लायंस रिपोर्ट पेश की है. इधर विशेषज्ञों का मानना है कि, अब तक आबादी नियंत्रण न होने की मुख्य वजह कागजों में ज्यादा काम होना है, बजाय जमीनी स्तर के. हालांकि नगर निगम ने इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए जिला प्रशासन से 20 एकड़ जमीन मांगी है और कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को विस्तृत प्रेजेंटेशन भी दे दिया है. यदि स्मार्ट शेल्टर के हाउस के लिए जमीन उपलब्ध होती है, तो साल के अंत तक इस मॉडल डॉग शेल्टर का निर्माण पूरा हो सकता है. डॉग लवर्स कविता भावनानी का कहना है कि, "भोपाल में करीब 1.25 लाख आवारा कुत्ते हैं. इस हिसाब से शहर को कम से कम पांच बड़े शेल्टर की जरूरत है, लेकिन अब तक जमीन और फंड की कमी सबसे बड़ी अड़चन रही है. निगम ने अलग-अलग खसरों की पहचान कर प्रशासन को विकल्प दिए हैं, ताकि आवंटन में देरी न हो. हालांकि अधिकारियों का दावा है कि इस बार फाइलें लंबित नहीं रहने दी जाएंगी. ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही राजधानी में प्रदेश के पहले स्मार्ट डाग शेल्टर का शुभारंभ होगा. " इस प्रोजेक्ट का सबसे हाईटेक पहलू माइक्रोचिप तकनीक है. पहले नसबंदी किए गए कुत्तों की गर्दन में माइक्रोचिप लगाई जाएगी. जिससे स्कैन करते ही पता चल जाएगा कि कुत्ता किस इलाके से पकड़ा गया, उसकी नसबंदी कब हुई और उसका हेल्थ रिकार्ड क्या है. शेल्टर में घायल, गंभीर रूप से बीमार और आक्रामक कुत्तों के लिए अलग-अलग सेक्शन बनाए जाएंगे.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे सरसराते पहुंचाएगा वडोदरा, प्रदेश के यात्रियों का बचेगा ढेरो समय

भोपाल. केंद्र सरकार के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे को लेकर नई अपडेट आ गई है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे को लेकर बड़ी अपडेट दी है. जिसका सीधा लाभ मध्य प्रदेश से दिल्ली और गुजरात के वडोदरा की तरफ यात्रा करने वाले यात्रियों को मई महीने से मिलने लगेगा. जानकारी के अनुसार वडोदरा से दिल्ली तक के काम को 100 दिनों में पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है. इसके बाद मई के महीने में इस एक्सप्रेसवे पर वडोदरा से दिल्ली तक नॉनस्टॉप जाया जा सकेगा. वर्तमान में मध्य प्रदेश से गुजरने वाले 244 किलोमीटर लंबे दिल्ली एक्सप्रेसवे पर यातायात पूरी तरह चालू है, लेकिन झाबुआ जिले के थांदला से आगे अभी एक्सप्रेसवे का कार्य प्रगति पर है. वहीं, दिल्ली की तरफ कोटा के पास बन रही टनल के काम की वजह से इंटरचेंज रोड का इस्तेमाल वाहन चालकों को करना पड़ रहा है.

राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल की अगुवाई में निकली भव्य शिव बारात शिवमय हुआ सारंगपुर

सारंगपुर. सारंगपुर महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सारंगपुर नगर में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का अभूतपूर्व वातावरण देखने को मिला। राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल की अगुवाई में नगर में भव्य शिव बारात निकाली गई, जिसमें सार्वजनिक हिंदू उत्सव समिति के कार्यकर्ता सहित श्रद्धालु शामिल हुए। मंत्री टेटवाल ने स्वयं पूजन-अर्चन कर शिव बारात का शुभारंभ किया और पालकी को कंधा देकर धार्मिक आस्था का संदेश दिया।

गांधी चौक स्थित श्री वटकेश्वर महादेव मंदिर से भगवान भोलेनाथ की शाही बारात प्रारंभ हुई। भगवान शिव दूल्हा स्वरूप में सुसज्जित पालकी में विराजमान थे, जबकि माता पार्वती की मनोहारी झांकी हाथी पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकली। मंत्री डॉ. टेटवाल ने भूतभावन महादेव का विधि-विधान से पूजन कर आरती उतारी और नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। शिव बारात श्री वटकेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर गांधी चौक, सदर बाजार, भेरू दरवाजा, बस स्टैंड, पुराना एबी रोड, परशुराम चौराहा, अस्पताल रोड और बाग कुआं होते हुए तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान शिव की आरती उतारी। बैंड-बाजों की मधुर धुनों, 51 पुनेरी ढोल-ताशों की गूंज, अघोरी नृत्य, आतिशबाजी, महाराष्ट्र का बैंड,और आकर्षक झांकियों ने पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। शिवगणों और भूत-प्रेतों की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचने पर भव्य महाआरती संपन्न हुई। नगर में जगह जगह खीर, लस्सी, फलहारी खिचड़ी प्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजन के दौरान प्रशासन एवं पुलिस बल की सघन व्यवस्था रही, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर के '?' आकृति में स्थित प्राचीन शिव मंदिरों–कपिलेश्वर महादेव मंदिर, चिंतामानेश्वर महादेव मंदिर, नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर एवं श्री वटकेश्वर महादेव मंदिर–में दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। विशेष रूप से कालीसिंध नदी के मध्य स्थित कपिलेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मां अम्बे मंदिर में शिव-पार्वती विवाह की पारंपरिक रस्में हुई ।

इस अवसर पर राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने कहा कि महाशिवरात्रि केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने नगरवासियों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया।

रिटायर्ड प्यून पर दोस्तों ने किया जानलेवा हमला

नर्मदापुरम. नर्मदापुरम के माखननगर रोड पर शराब दुकान के पीछे एक बुजुर्ग पर दोस्तों ने जानलेवा हमला किया। बुजुर्ग के सिर पर ईट से मारा, जिससे उसे सिर में गहरी चोट आई। उसका निजी अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने हमला करने वाले उसके दो दोस्तों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया। शराब पिलाने की बात को लेकर झगड़ा हुआ।पुलिस के मुताबिक, घायल रतनलाल यादव (65) निवासी ग्वालटोली नर्मदापुरम है, जो जिला पंचायत से रिटायर्ड प्यून है। आरोपी ओमप्रकाश उर्फ डब्बू सोनी और भगवानदास सोनी ग्वालटोली क्षेत्र में रहते हैं।देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया घायल रतनलाल और आरोपी ओमप्रकाश उर्फ डब्बू सोनी, भगवानदास सोनी तीनों 14 फरवरी की रात को रामजी बाबा मेले में घूमने के बाद शराब पीने के लिए माखननगर रोड पर पहुंचे। शराब खरीदकर दुकान के पीछे ही पी। दोबारा शराब पिलाने के लिए आरोपियों ने घायल बुजुर्ग से कहा। जिससे उनके बीच झगड़ा हो गया। आरोपियों ने ईट और पत्थर से उसके सिर पर मारने लगा। जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकले। बाद में घायल खुद अपने घर पहुंचा। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया।अस्पताल की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल के बयान लेकर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

गौहरगंज के खेत में मिले मांस के टुकड़े

रायसेन. रायसेन जिले के गौहरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम धमधुसर में सोमवार सुबह एक खेत में मांस के टुकड़े और खून के अवशेष मिले। किसान स्वतंत्र पटेल ने सुबह करीब 6 बजे जब खेत में पानी देने के दौरान मांस देखकर तुरंत ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। घटना के बाद इलाके में गोवंश की हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरु कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से मांस के सैंपल लिए गए, जिन्हें जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। एसडीओपी शीला सुराणा ने बताया कि अज्ञात मांस के टुकड़े मिलने पर ब्नहस की धारा 325 के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की छानबीन कर रही हैं।ह्य

चोरों ने चूर किए अरमान, जिन जेवरों से श्रृंगार कर बनने वाली थी दुल्हन, वही चुरा ले गए

रीवा. मऊगंज जिले से चोरी की एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है. यहां पर रहने वाले एक परिवार पर तब दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जब बेटी की शादी पक्की होने के बाद शादी से पहले लड़के वालों के यहां तिलक लेकर गए परिवार के घर लाखों की चोरी हो गई. परिवार जब वापस लौटा तो उनके पैरो तले जमीन खिसक गई. घर में घुसे बदमाश, वो सारे जेवरात अपने ले जा चुके थे जिससे श्रृंगार कर के बेटी अपने ससुराल जाने वाली थी. चोरो ने बेटी के साथ उसके माता पिता के भी अरमानों को चूर-चूर कर दिया. लाखों रुपए के सोने चांदी से बने जेवरात और नगदी की राशि को चोरी करके चोरों ने परिवार से शादी की खुशियां ही छीन लीं. सूने घर में हुई चोरी की यह वरदात मऊगंज जिले में स्थित बरयाकला ग्राम पंचायत के कुसड़ी गांव की है. यहां पर रहने वाले रामशंकर पाण्डेय की बेटी का विवाह मऊगंज के ही हनुमना थाना क्षेत्र स्थित नाउन गांव में तय हुआ था. बेटी के विवाह की तारीख 19 फरवरी की रखी गई थी. शादी से ठीक पहले बीते शनिवार को तिलक लेकर परिवार के सभी सदस्य लड़के वालो के यहां गए हुए थे. देर रात जब परिवार के लोग अपने घर वापस लौटे तो उनके पैरो तले जमीन ही खिसक गई. उन्होंने घर का पिछला दरवाजा खुला हुआ पाया. घर के अंदर का बिखरा हुआ सारा सामान देखकर उन्हें बड़ी अनहोनी की आशंका हुई. जब उन्होंने घर के अंदर चारों तरफ नजर घुमाई तो उनके होश उड़ गए. पेटी, सूटकेस और अलमारी सभी के ताले टूटे हुए थे.परिवार का आरोप है की उनके घर से तकरीबन 14 तोला सोना और लगभग 2 किलो 180 ग्राम चांदी से बने जेवरात व 20 हजार रुपए नगदी चोर ले गये हैं. गहनों की कीमत लगभग 31 लाख 61 हजार है. घर में हुई चोरी की वारदात की सूचना परिजनों ने तत्काल पुलिस की डायल 112 को दी, जिसके बाद सूचना पाकर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छानबीन करते गए घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए.पीड़ित रमाशंकर पाण्डेय के सभी सदस्य तिलक लेकर हनुमना गए थे .

बहुफसली तकनीक : एक ही खेत में फल मसाले, अनाज और सब्जियां, सालभर आवक

विदिशा. खेती में मुनाफा बढ़ाने का सबसे सीधा रास्ता है, खर्च कम करें और आय के कई स्रोत बनाएं। विदिशा के गंजबासौदा के ग्राम निवोंदिया में तैयार एक मॉडल इसी सोच पर आधारित है। यहां 3 एकड़ जमीन पर रासायनिक खाद पूरी तरह बंद कर देसी गोबर खाद और जीवामृत से खेती हो रही है।मेड़ों पर फलदार पौधे, बीच में मसाले, दलहन-तिलहन और अनाज की फसल ली जा रही है। ड्रिप सिंचाई से पानी बच रहा है और अलग-अलग समय पर फसल तैयार होने से सालभर नकदी मिल रही है। नामी कंपनी में नेशनल हेड रह चुके दीपक मिश्रा ने नौकरी छोड़कर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की राह चुनी है।दीपक ने बड़ी क्यारियां बनाकर मेड़ों पर करीब 150 आम, 500 ड्रैगन फ्रूट और 100 पपीते के पौधे लगाए हैं। बीच की जमीन पर हल्दी, गेहूं, दलहन, तिलहन और मौसमी सब्जियां बोई गई हैं।तुअर की ऐसी किस्म लगाई गई है, जो एक बार बोने के बाद कई साल तक उत्पादन देती है। इससे खेत से एक साथ नहीं, बल्कि अलग-अलग समय पर आय मिलती है। खेत में अच्छे जीवाणु (बैक्टीरिया) का घोल भी स्वयं तैयार कर डाला जाता है, जिससे मिट्टी की ताकत बढ़े और पौधों की जड़ मजबूत हो।खेती को गाय पालन से जोड़ा गया है। देसी गाय के गोबर से केंचुआ खाद (वर्मी कम्पोस्ट), जीवामृत और अन्य देसी घोल तैयार किए जाते हैं। इससे बाजार से खाद और दवा खरीदने का खर्च घटा है। मिश्रा के अनुसार पहले की तुलना में अब लागत 30-40त्न तक कम हुई है। मिट्टी भुरभुरी हो रही है और पैदावार की गुणवत्ता बेहतर हुई है। गायों के लिए खेत में ही नेपियर घास उगाई जा रही है। इससे चारा भी बाहर से नहीं खरीदना पड़ता और पूरा चक्र खेत के भीतर ही चलता है। पूरे खेत में ड्रिप सिंचाई लगाई गई है। पानी सीधे पौधों की जड़ तक पहुंचता है, जिससे बर्बादी रुकती है। कम पानी में ज्यादा क्षेत्र सींचा जा रहा है और बिजली का खर्च भी घटा है। निवोंदिया में तैयार यह मॉडल अब आसपास के किसानों के लिए सीख बन रहा है। इसी तरीके से मंडीदीप और रायसेन क्षेत्र में भी खेती विकसित की जा रही है।फलदार पौधे लंबी अवधि की आय देते हैं, जबकि हल्दी, सब्जियां और दलहन जल्दी तैयार होकर तुरंत नकदी देती हैं। गेहूं और तिलहन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस तरह खेत में हर समय कोई न कोई फसल बिकने योग्य रहती है।यह खेती गाय आधारित है। इसमें देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से बने घोल जैसे जीवामृत, घनजीवामृत, पंचगव्य और केंचुआ खाद का उपयोग किया जाता है।

मुस्लिम चचेरी बहनों ने हिंदू भाइयों से रचाई शादी, वीडियो जारी कर मांगी सुरक्षा

छतरपुर. छतरपुर में 9 फरवरी से लापता दो मुस्लिम चचेरी बहनों ने दो हिंदू चचेरे भाइयों से शादी कर ली। दोनों ने अपने पतियों के साथ वीडियो बनाकर रविवार को जारी किया। इसमें एसपी से सुरक्षा की मांग की है। साथ ही यह भी कहा कि हमारे ससुराल पक्ष को परेशान न किया जाए। वीडियो में युवतियों ने कहा- अगर उनके परिवार के लोगों को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी मायके पक्ष की होगी।मामला जिले के नौगांव का है। दोनों युवतियां एटीएम से रुपए निकालने के नाम पर घर से निकली थीं, लेकिन घर नहीं लौटीं। परिवार ने गुमशुदगी की शिकायत में लड़कियों को नाबालिग बताया था। उनका आरोप था कि पुलिस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रही। समाज के महिला-पुरुष थाने पहुंचे और प्रदर्शन भी किया था।प्रदर्शन के दौरान एक महिला ने अपने बेटे के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाया। उनका कहना था कि शिकायत के बावजूद पुलिस दूसरे पक्ष के आने का इंतजार कर रही थी, जिससे महिलाओं में आक्रोश फैल गया और हंगामा हुआ। वीडियो में युवतियां कर हिंदू युवकों से शादी करने और अपनी मर्जी से घर छोड़ने की बात कह रही हैं।

नौरादेही टाइगर रिजर्व में मिला मरा हुआ बाघ, दो दिन से एक ही जगह मिल रही थी लोकेशन

सागर. वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिज़र्व में बाघ की मौत का मामला सामने आया है. गौरतलब है कि यह बाघ एक महीने पहले ही कान्हा से नौरादेही भेजा गया था और इसे टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में छोड़ा गया था. इस बाघ का कल शाम को मानेगांव बीट में शव मिला है. इस बाघ को 18-19 जनवरी की रात में रेडियो कॉलर लगाकर टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में छोड़ा गया था और उसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही थी. पिछले दो दिनों से बाघ की एक ही जगह लोकेशन मिलने पर टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने जाकर देखा, तो बाघ मारा हुआ मिला. नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि 15 फरवरी 2026 को वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के कोर एरिया के मोहाली परिक्षेत्र के मानेगांव बीट के कक्ष क्रमांक 159 में शाम 5ः30 बजे बाघ का शव मिला. इस बाघ को 18 - 19 जनवरी की दरमियानी रात को रेडियो कॉलर लगाकर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में छोड़ा गया था.

भविष्य के जलवायु समझौतों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज

पर्यावरणीय दृष्टि से 16 फरवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल आधिकारिक रूप से लागू हुआ था, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। इसे 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया था और यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के अंतर्गत बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक (विकसित) देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। वास्तव में आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से प्रभावित है, जिसका प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, तेज शहरीकरण, विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोलियम, गैस) का अत्यधिक उपयोग, परिवहन, कृषि गतिविधियाँ और प्रदूषण हैं, जिनसे वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। ग्रीनहाउस गैसों जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प तथा फ्लोरीनयुक्त गैसें आदि वायुमंडल में सूर्य की ऊष्मा को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाती हैं, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है। नवीनतम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लगभग 57.7 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुँच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.3% अधिक है; इस अवधि में उत्सर्जन वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहा, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से कम है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष, जबकि वैश्विक औसत लगभग 6.4 टन है। कुल उत्सर्जन के मामले में भारत लगभग 4 गीगाटन वार्षिक उत्सर्जन के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, लेकिन ऐतिहासिक योगदान विकसित देशों से कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2024 में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 423-425 पीपीएम तक पहुँच गई, जो औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में लगभग 50% अधिक है और जलवायु जोखिम को बढ़ा रही है। क्योटो प्रोटोकॉल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारी का सिद्धांत था, जिसके अनुसार ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रदूषण करने वाले विकसित देशों पर अधिक दायित्व डाला गया, जबकि भारत और चीन जैसे विकासशील देशों को शुरुआती चरण में अनिवार्य उत्सर्जन कटौती से छूट दी गई। इस समझौते के अंतर्गत उत्सर्जन व्यापार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) और संयुक्त कार्यान्वयन जैसे नवाचारपूर्ण तंत्र बनाए गए, जिन्हें फ्लेक्सिबल मैकेनिज्म कहा गया और इन्हीं के माध्यम से कार्बन ट्रेडिंग की अवधारणा विकसित हुई, जिससे विकसित देश अन्य देशों में हरित परियोजनाओं या स्वच्छ तकनीक में निवेश करके कार्बन क्रेडिट खरीद सकते थे। भारत ने सीडीएम के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएँ विकसित कीं, जिससे तकनीकी आधुनिकीकरण, विदेशी निवेश और सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन (सीईआर) क्रेडिट के रूप में आर्थिक लाभ मिला तथा भारत वैश्विक कार्बन बाजार का महत्वपूर्ण भागीदार बना। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस समझौते पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन इसे अपनी संसद से अनुमोदित नहीं कराया, जिससे इसकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठे, फिर भी इसकी एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने उत्सर्जन की निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन की सख्त वैश्विक प्रणाली विकसित की, जो आज भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु व्यवस्था की आधारशिला मानी जाती है। आगे चलकर वैश्विक जलवायु प्रयासों को अधिक व्यापक बनाने के लिए 2015 में पेरिस समझौता अस्तित्व में आया, जिसमें लगभग सभी देशों को जलवायु कार्रवाई के साझा लक्ष्य में शामिल किया गया; संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2023-2024 में वैश्विक उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर के आसपास है और वर्तमान नीतियों के साथ 1.5एष्ट तापवृद्धि लक्ष्य हासिल करना कठिन दिखाई देता है। भारत ने वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में महत्वपूर्ण लक्ष्य घोषित किए हैं। वर्ष 2030 तक 2005 के स्तर की तुलना में उत्सर्जन तीव्रता में 45% कमी, 50% बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करना और 2070 तक नेट-जीरो हासिल करना और वर्ष 2025 तक भारत 50% से अधिक स्थापित बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त कर चुका है, जो उसकी प्रगति को दर्शाता है। वैश्विक स्तर पर क्योटो प्रोटोकॉल का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन इसकी सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इसने दुनिया को सामूहिक पर्यावरणीय कार्रवाई की दिशा दिखाई, प्रदूषक भुगतान करे सिद्धांत को व्यवहार में लागू किया और भविष्य की जलवायु नीतियों की मजबूत नींव रखी; सरल शब्दों में कहें तो आज जब दुनिया नेट-जीरो की बात करती है, तो उसकी जड़ें कहीं न कहीं क्योटो की उसी ऐतिहासिक पहल में निहित हैं। अंत में यही कहूंगा कि आज के संदर्भ में क्योटो प्रोटोकॉल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने पहली बार विकसित देशों पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने के कानूनी लक्ष्य तय किए।हालांकि, अब वैश्विक जलवायु नीति का केंद्र पेरिस समझौता बन चुका है, फिर भी क्योटो प्रोटोकॉल ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नींव रखी।इस समझौते के कारण कार्बन बाजार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) जैसे तंत्र विकसित हुए, जिनसे विकासशील देशों को भी लाभ मिला।आज जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच यह समझौता दुनिया को उत्सर्जन नियंत्रण की जिम्मेदारी याद दिलाता है। संक्षेप में, क्योटो प्रोटोकॉल आधुनिक वैश्विक जलवायु नीतियों का आधार माना जाता है।

तंबाकू महामारी

लेखक-किशन भावनानीं

तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है- व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू करना जरूरी वैश्विक स्तरपर तंबाकू का सेवन आज केवल एक व्यक्तिगत आदत या सामाजिक व्यवहार का विषय नहीं रह गया है,बल्कि यह एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा का रूप ले चुका है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व स्तरपर प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। यह आंकड़ा किसी युद्ध, प्राकृतिक आपदा या महामारी से कम नहीं है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में तंबाकू का प्रभाव और भी गंभीर है,जहाँ लाखों लोग प्रतिवर्ष कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों और अन्यजटिलताओं के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो जाते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं,बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि क्या केवल कर वृद्धि और चेतावनी संदेश पर्याप्त हैं?या फिर अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू पर व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू किया जाए। स्वास्थ्य की दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव बहुआयामी और घातक है। धूम्रपान और धुंआ रहित तंबाकू दोनों ही शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करते हैं। फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर, गले का कैंसर,हृदयाघात,स्ट्रोक,क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज जैसी बीमारियाँ तंबाकू सेवन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। भारत में विशेष रूप से मुंह के कैंसर के मामलों की संख्या अत्यधिक है, जिसका मुख्य कारण गुटखा, पान मसाला और अन्य धुंआ रहित तंबाकू उत्पाद हैं। यह स्थिति केवल सक्रिय उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरों के धुएँ के संपर्क में आने से बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम का सामना करते हैं। गर्भवती महिलाओं पर इसका प्रभाव भ्रूण के विकास को बाधित कर सकता है, जिससे कम वजन वाले शिशु जन्म लेते हैं या जन्मजात विकृतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। तंबाकू प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे टीबी जैसी संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस प्रकार तंबाकू एक ऐसी महामारी है जो गैर- संचारी और संक्रामक दोनों प्रकार की बीमारियों को बहुत तेजी से बढ़ावा देती है।

साथियों बात अगर हम भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए पहले से मौजूद कानूनों को समझने की करें तो, जैसे सिगरेटटेस अदर टोबैक्को प्रोडक्ट्स एक्ट 2003, जो सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध,विज्ञापन प्रतिबंध और पैकेजिंग पर स्वास्थ्य चेतावनी जैसे प्रावधान करता है। शहर अनेकों कानून है अनेक राज्यों में तंबाकू पर प्रतिबंध भी है इसके अतिरिक्त भारत ने डब्लूएचओ फ्रेमवर्क कान्वेंशन ऑन टोबैको कण्ट्रोल पर हस्ताक्षर किए हैं, जो वैश्विक स्तर पर तंबाकू नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संधि है।बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर तंबाकू की उपलब्धता,सुलभता और सामाजिक स्वीकार्यता कम नहीं हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गुटखा और बीड़ी आसानी से उपलब्ध हैं। छोटे दुकानों और पान ठेलों पर इन्हें खुलेआम बेचा जाता है, जिससे किशोर और युवा वर्ग भी इसके संपर्क में आ जाते हैं।यह दर्शाता है कि वर्तमान व्यवस्था में कठोर प्रवर्तन और व्यापक प्रतिबंध की कमी है। साथियों बात अगर हम सामाजिक दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक है इसको समझने की करें तो धूम्रपान करने वाले व्यक्ति अक्सर परिवार में तनाव, आर्थिक दबाव और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अलगाव का अनुभव करते हैं। जब परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकू जनित बीमारी से ग्रसित होता है, तो पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में फँस जाता है। बीड़ी उद्योग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत लाखों श्रमिक विशेषकर महिलाएँ और बाल श्रमिक अत्यंत दयनीय परिस्थितियों में काम करते हैं। वे स्वयं भी तंबाकू धूल और रसायनों के संपर्क में आकर स्वास्थ्य जोखिम उठाते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि तंबाकू उद्योग का बोझ मुख्यतः गरीब और अशिक्षित वर्ग पर पड़ता है। जो लोग पहले से आर्थिक रूप से कमजोर हैं, वे तंबाकू पर खर्च करके और अधिक निर्धनता की ओर बढ़ते हैं। इस प्रकार तंबाकू केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का अत्यंत सटीक प्रश्न भी है।

साथियों बात कर हम नैतिक दृष्टिकोण से तंबाकू उद्योग की भूमिका गंभीर बहस का विषय है इसको समझने की करें तो जब यह स्पष्ट है कि तंबाकू सेवन से मृत्यु और गंभीर रोग होते हैं, तब भी इसका उत्पादन और विपणन जारी रहना नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उद्योग का मूल उद्देश्य लाभ कमाना है, परंतु यह लाभ मानव जीवन की कीमत पर प्राप्त होता है। युवाओं को आकर्षित करने के लिए परोक्ष विज्ञापन,फिल्मी दृश्यों में धूम्रपान का ग्लैमराइजेशन और रंगीन पैकेजिंग जैसी रणनीतियाँ अपनाई जाती हैं। किशोर अवस्था में शुरू हुई लत जीवन भर की निर्भरता बन जाती है। यह आने वाली पीढ़ी की उत्पादकता और स्वास्थ्य को कमजोर करता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी तंबाकू की खेती और उत्पादन विनाशकारी है।अनुमान है कि लगभग हर 300 सिगरेट के उत्पादन में एक पेड़ काटा जाता है। तंबाकू की खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग भूमि और जल को प्रदूषित करता है। सिगरेट के टुकड़े (बट्स) प्लास्टिक आधारित होते हैं और पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। इस प्रकार तंबाकू केवल मानव स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय नैतिकता के भी विरुद्ध है।

साथियों बात अगर हम आर्थिक दृष्टिकोण से तंबाकू का तर्क को समझने की करें तो अक्सर राजस्व पर आधारित होता है। सरकार को तंबाकू उत्पादों से कर प्राप्त होता है, जिसे सार्वजनिक सेवाओं में लगाया जाता है। परंतु जब हम व्यापक आर्थिक विश्लेषण करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि तंबाकू से होने वाला कुल आर्थिक नुकसान उसके राजस्व से कहीं अधिक है। तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर होने वाला प्रत्यक्ष खर्च अस्पताल, दवाएँ, सर्जरी और अप्रत्यक्ष खर्च काम पर अनुपस्थिति, उत्पादकता में कमी, समयपूर्व मृत्यु मिलाकर राष्ट्रीय आय पर भारी बोझ डालते हैं। गरीब परिवार अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा तंबाकू पर खर्च करते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा,पोषण और स्वास्थ्य पर खर्च कम हो जाता है। यह अंतरपीढ़ी गरीबी को बढ़ाता है। यदि तंबाकू से होने वाली बीमारियों और मृत्यु से जुड़ी आर्थिक लागत का समग्र मूल्यांकन किया जाए, तो यह स्पष्ट होगा कि राष्ट्र को शुद्ध रूप से नुकसान ही हो रहा है। साथियों बात अगर हम सरकार की वर्तमान रणनीति और भविष्य में तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध कानून को बनाने की करें तो वर्तमान में मुख्यतः कर वृद्धि (टैक्स स्ट्राइक), चेतावनी चित्रों और जनजागरूकता अभियानों पर आधारित है।यह रणनीति कुछ हद तक प्रभावी अवश्य रही है, परंतु पूर्ण समाधान नहीं दे पाई है।जब तकतंबाकू उत्पाद बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, तब तक लत से ग्रसित व्यक्ति उन्हें खरीदने का तरीका खोज लेगा। कर वृद्धि से अवैध व्यापार और तस्करी की संभावना भी बढ़ जाती है। अतः यह तर्क दिया जा सकता है कि अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू,विशेषकर गुटखा और धुंआ रहित उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए व्यापक और कठोर कानून बनाया जाए। राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम,2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत किए जाते हैं, तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम हो सकता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को समझने की करें तो यहदर्शाते हैं कि कठोर नीतियाँप्रभावी हो सकती हैं। कुछ देशों ने सार्वजनिक स्थानों पर पूर्ण धूम्रपान प्रतिबंध, सादे पैकेजिंग और भारी जुर्माने लागू कर तंबाकू सेवन में उल्लेखनीय कमी लाई है। भारत भी यदि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए, तो चरणबद्ध तरीके से उत्पादन, वितरण और बिक्री पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है।साथ ही, तंबाकू उद्योग में कार्यरत श्रमिकों के पुनर्वास,वैकल्पिक रोजगार और किसानों के लिए वैकल्पिक फसलों की व्यवस्था आवश्यक होगी, ताकि आर्थिक झटका न्यूनतम रहे।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करइसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि तंबाकू एक बहुआयामी संकट है,स्वास्थ्य, सामाजिक,नैतिक और आर्थिक सभी स्तरों पर यह केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं,बल्कि सार्वजनिक हित और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा का प्रश्न है। यदि राष्ट्र को स्वस्थ,उत्पादक और नैतिक आधार पर सुदृढ़ बनाना है, तो तंबाकू के विरुद्ध राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम, 2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत कर निर्णायक कदम उठाना अनिवार्य है। संसद के बजट सत्र में कठोर और व्यापक निषेध कानून प्रस्तुत कर भारत विश्व को यह संदेश दे सकता है कि मानव जीवन और जनस्वास्थ्य किसी भी राजस्व या औद्योगिक हित से ऊपर है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

लेखक- ललित गर्ग

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की 'नई गंगा' तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है। इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णांश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णांश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अतः यदि कोई कृष्ण या उनके पूर्णांशों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है।

कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता।

भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृत्ति हैं जो मायने रखती है - **विंस्टन चर्चिल**

हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते है - **मार्टिन लूथर किंग**

'संतोषः परमं धन'-संतोष ही सबसे बड़ा धन है

लेखक-सुनील कुमार महला

संस्कृत साहित्य में यह बात कही गई है कि- 'संतोषः परमं धनम्', अर्थात संतोष मनुष्य का सबसे मूल्यवान धन है। इससे बड़ा धन दुनिया में कोई और नहीं है।इसका सीधा सा मतलब यह है कि जो हमारे पास है, उसमें प्रसन्न रहना ही सच्ची समृद्धि है।

आज की तेज़ भागदौड़, तनाव और अवसाद भरी दुनिया में लोग अधिक से अधिक धन, सुख-सुविधाएँ और प्रतिष्ठा पाने के पीछे दौड़ रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि बाहरी संपत्ति हमें केवल थोड़े समय का सुख(क्षणिक सुख) दे सकती है, स्थायी मानसिक शांति नहीं।पाठक जानते हैं कि मनुष्य की इच्छाएँ कभी समाप्त नहीं होतीं। एक इच्छा पूरी होती है तो दूसरी पैदा हो जाती है। यदि व्यक्ति केवल इच्छाओं के पीछे ही भागता रहे, तो वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। इसलिए कहा गया है कि जिसके पास बहुत धन है लेकिन संतोष नहीं, वह भी मन से गरीब ही रहता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति संतोषी है, वह सीमित साधनों में भी सुखी और शांत जीवन जी सकता है। संस्कृत में कहा गया है कि -'यदृच्छालाभसन्तुष्टो द्वन्द्वातीतो विमत्सरः।समः सिद्धावसिद्धौ च कृत्वापि न निबध्यते॥' इसका तात्पर्य यह है कि जो व्यक्ति सहज प्राप्त वस्तु में संतुष्ट रहता है, ईर्ष्या से मुक्त होता है और सफलता-असफलता में समान रहता है, वह कर्म करते हुए भी बंधन में नहीं पड़ता। वास्तव में, संतोष का अर्थ यह नहीं है कि मनुष्य महत्वाकांक्षा छोड़ दे या प्रगति करना बंद कर दे। इसका सही अर्थ है- प्रयास करते हुए भी मन में लोभ, ईर्ष्या और असंतोष को स्थान न देना। संतोषी व्यक्ति दूसरों की सफलता देखकर जलता नहीं, बल्कि उनसे वह प्रेरणा लेता है। उसका जीवन सरल, संतुलित और तनावमुक्त होता है। यही कारण है कि संतोष मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है और मनुष्य मन को शांति भी देता है।वास्तव में संतोष का भाव व्यवहार से जुड़ा है- संतोषी व्यक्ति सबका प्रिय बनता है। इसीलिए संस्कृत में कहा गया - 'न कश्चित् कस्यचिद् मित्रं न कश्चित् कस्यचिद् रिपुः।व्यवहारेण जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा॥' संतोष मनुष्य को नैतिक और ईमानदार भी बनाता है। असंतोष ही वह कारण है, जिसके कारण व्यक्ति लालच में पड़कर गलत रास्ता अपनाता है। यदि व्यक्ति संतोषी हो, तो वह अनुचित तरीकों से धन कमाने की कोशिश नहीं करेगा। इस प्रकार संतोष समाज में नैतिकता और सदाचार को भी बढ़ावा देता है।संतोष का संबंध केवल धन या वस्तुओं से नहीं, बल्कि जीवन की परिस्थितियों से भी है। जीवन में कठिनाइयाँ और असफलताएँ आती हैं, लेकिन यदि व्यक्ति धैर्य और संतोष बनाए रखे, तो वह उन्हें आसानी से पार कर सकता है। संतोष मानसिक शक्ति देता है और निराशा से बचाता है। संतोषी व्यक्ति वर्तमान में जीना जानता है – वह न अतीत के पछतावे में उलझता है और न भविष्य की चिंता में, बल्कि वर्तमान क्षण का आनंद लेता है।इसके अलावा, संतोष का संबंध कृतज्ञता से भी है। जो व्यक्ति अपने जीवन की छोटी-छोटी खुशियों के लिए आभारी रहता है, वही सच्चा संतोष अनुभव करता है। उसका सुख बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि उसके भीतर से उत्पन्न होता है।अंततः, यह बात कही जा सकती है कि धन-दौलत जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, पर सच्चा सुख केवल संतोष से मिलता है। जिस व्यक्ति के पास संतोष का खजाना है, वह हर परिस्थिति में आनंद और शांति महसूस करता है। इसलिए हमें अपने जीवन में संतोष और कृतज्ञता को विकसित करना चाहिए।वास्तव में, संतोष सुखी जीवन का मूल मंत्र है।वास्तविक समृद्धि बैंक खाते में नहीं, बल्कि मन की तृप्ति और शांति में होती है। जो व्यक्ति संतोष सीख लेता है, वही सच में सबसे धनी और सुखी होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज का राशिफल

राशिफल-शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथी सप्तमी, रविवार, विशाखा नक्षत्रे, वृण योगे, वालव करणे, तुला की चंद्रमा, भद्रा 12/14 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक दार्शनिक, सुन्दर, सुशील किन्तु जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, स्पष्ट वक्ता, अपनी चलाने वाला, सैनिक-सिपाही, मेजर, ब्रिगेडियर, कर्नल, दस्ता नायक, सैनिक-सेना नायक होगा।

मेष राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, इष्ट मित्रों से सुख, कार्य व्यवसाय गति उत्तम होवेगी।

वृष राशि :- अचानक शुभ समाचार एवं धन प्राप्ति के योग बनेंगे, संवेदनशील होने से बचिये।

मिथुन राशि :- क्रोध से अशांति, झगड़े से बचें, अर्थ-व्यवस्था कुछ अनुकूल बन जायेगी।

कर्क राशि :- कार्य-कुशलता से सहयोग, स्त्री वर्ग से हर्ष, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति

सिंह राशि :- इष्ट मित्र सुख वर्धक हों, कुटुम्ब की समस्याऐं अवश्य ही सुलझेंगी।

कन्या राशि :- व्यर्थ व्यय तथा असमंजस और स्थिरता का वातावरण, हीन भावना बने।

तुला राशि :- अधिकारियों का समर्थन विफल हो, कार्य व्यवसाय गति अनुकूल बनेगी।

वृश्चिक राशि :- समय की अनुकूलता से लाभांवित हों तथा कार्य-कुशलता से अनुकूलता बनेगी।

धनु राशि :- व्यवसाय गति उत्तम, भाग्य का सितारा साथ देवे, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

मकर राशि :- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, स्वास्थ्य नरम रहे, स्थति में सुधार अवश्य ही होगा।

कुंभ राशि :- स्त्री शरीर सुख, मानसिक बेचैनी से बचिये, समय का ध्यान अवश्य रखें।

मीन राशि :- धन का लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष अवश्य होगा, बिगड़े कार्य बने जायेंगे।

आज का कार्टून

संक्षिप्त समाचार

वकील रहे हड़ताल पर कामकाज हुआ प्रभावित ज्ञापन सौपा

ग्वालियर. शिवपुरी के करैरा में वकील की हत्या के विरोध में पूरे मध्यप्रदेश के साथ ग्वालियर के वकील भी सोमवार को हड़ताल पर रहे। सोमवार दोपहर 12.30 बजे वकीलों ने कोर्ट परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। वकीलों ने करैरा पुलिस का पुतला दहन किया और मुख्यमंत्री मोहन यादव मुर्दाबाद के नारे लगाए। इतना ही नहीं आक्रोशित वकीलों ने शासन को अल्टीमेटम दिया है कि सात दिन के अंदर यदि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू नहीं होता है तो सभी वकील भोपाल पहुंचकर सीएम हाउस का घेराव कर प्रदर्शन करेंगे।

सोमवार को वकील कोर्ट तो आए, लेकिन काम नहीं किया। शिवपुरी में कोर्ट जाते समय दिनदहाड़े अधिवक्ता की हत्या से वकीलों में काफी आक्रोश है। हालांकि हत्या के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को शॉर्ट एनकाउंटर में गोली मारकर पकड़ लिया है, लेकिन इसके बाद भी आक्रोश कम नहीं हो रहा है। वकीलों की हड़ताल से ग्वालियर में हाईकोर्ट के एक हजार और सेशन कोर्ट के लगभग दो हजार केस प्रभावित हुए हैं। ग्वालियर के अलावा अंचल के अन्य शहरों में भी वकीलों ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा .

रेलवे ग्राउंड की सीढ़ियों पर मिली लाश की हुई पहचान

गुना. शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित रेलवे ग्राउंड की सीढ़ियों पर रविवार को मिले अज्ञात युवक के शव की शिनाख्त हो गई है। मृतक की पहचान राहुल पुत्र राजकुमार प्रजापति उम्र 26 साल निवासी फिजिकल कोतवाली के पास संजय कॉलोनी वार्ड नंबर 35 के रूप में हुई है। सोमवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है। गौरतलब है कि रविवार को रेलवे ग्राउंड की सीढ़ियों पर एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। पहले लोग उसे धूप में सोता हुआ समझते रहे, लेकिन जब काफी देर तक कोई हलचल नहीं हुई तो खिलाड़ियों ने पास जाकर देखा और डायल-112 को सूचना दी थी। पुलिस शव को जिला अस्पताल लेकर पहुंची थी, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। उस समय मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। परिजनों के अनुसार राहुल पूर्व में शिवपुरी स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती रहा था। उसके पिता राजकुमार प्रजापति ने बताया कि हर महीने करीब 10 हजार रुपए उसके उपचार के लिए दिए जाते थे। इलाज के बाद वह ठीक होकर घर आ गया था और नशा भी छोड़ चुका था। कुछ समय बाद नशा मुक्ति केंद्र वालों ने ही उसके टैलेंट को देखते हुए उसे काम पर रख लिया। पहले वह शिवपुरी में काम कर रहा था, लेकिन पिछले दो महीनों से उसे शिवपुरी से गुना के नशा मुक्ति केंद्र पर काम के लिए भेजा गया था।

ट्रेन में दंपत्ति के बैग को काट कर 6 तोला सोना पार

बस से महिला के पर्स से सोने के जेवरात साफ

गुना. ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को चुनौती देते हुए शातिर चोरों ने इंदौर-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस में एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इंदौर निवासी एक दंपत्ति जब शादी समारोह में शामिल होने ग्वालियर जा रहे थे, तभी रास्ते में उनके ट्रॉली बैग से करीब 5 से 6 तोला वजनी सोने के आभूषण चोरी हो गए। वहीं जिले के म्याना से गुना के बीच चलने वाली एक यात्री बस में अज्ञात चोर ने एक महिला के पर्स से सोने के जेवरात साफ कर दिए। पीड़िता ने म्याना थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी हेमेन्द्र सिंह जादौन निवासी इंदौर ने जीआरपी गुना को बताया कि वह गत दिवस को अपनी पत्नी नंदनी भदौरिया के साथ ट्रेन संख्या 11125 इंटरसिटी एक्सप्रेस के कोच एस-3 में यात्रा कर रहे थे। उज्जैन स्टेशन से निकलने के बाद उनकी नींद लग गई थी। रात करीब 1 बजे जब उनकी आंख खुली, तो उन्होंने देखा कि सामने वाली लोअर बर्थ पर करीब 35 से 40 साल का एक अज्ञात व्यक्ति बैठा हुआ था। इसके बाद हेमेन्द्र सिंह पुनः सो गए।

रात करीब 3 बजे जब ट्रेन गुना स्टेशन के समीप पहुँच रही थी, तब हेमेन्द्र की नींद खुली। उन्होंने देखा कि सामने बैठा व्यक्ति गायब था। शक होने पर उन्होंने अपनी बर्थ के नीचे रखा ट्रॉली बैग चेक किया, तो उसके होश उड़ गए। शातिर चोर ने बैग की चैन खोलने के साथ-साथ उसे ऊपर से काट दिया था। बैग खोलकर देखने पर उसमें रखे सोने का हार, एक जोड़ी कान की ब्रज बाला, एक जोड़ी झुमके और दो अंगूठियां गायब थीं।

फरियादी ने बताया कि वह ग्वालियर में एक शादी में शामिल होने जा रहे थे, इसलिए वहां पहुंचकर ग्वालियर जीआरपी में आवेदन दिया। चूंकि घटना गुना स्टेशन के आसपास की है, इसलिए ग्वालियर जीआरपी ने शून्य पर मामला दर्ज कर केस डायरी असल अपराध कायम करने हेतु गुना जीआरपी को भेज दी है। चोरी गए जेवरों का वजन करीब 5 से 6 तोला बताया जा रहा है। पुलिस अब हुलिए के आधार पर अज्ञात संदिग्ध की तलाश में जुट गई है।

इधर जिले के म्याना से गुना के बीच चलने वाली एक यात्री बस में अज्ञात चोर ने एक महिला के पर्स से सोने के जेवरात साफ कर दिए। पीड़िता ने म्याना थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। फरियादिया नंदनी जाटव निवासी सिरोंज (विदिशा) ने बताया कि वह म्याना स्थित अपने मायके आई हुई थी। गत दिवस वह वापस जाने के लिए म्याना चौराहा से सफेद रंग की बस क्रमांक एमपी 07-5171 में सवार हुई। बस में काफी भीड़ थी, जिसका फायदा उठाकर किसी अज्ञात बदमाश ने उसके पर्स की चैन खोल ली और अंदर रखी डिब्बी पार कर दी।

डंपर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

इन्दौर. कल शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की जान चली गई। तेज रफ्तार डंपर ने साइकिल सवार बुजुर्ग को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी थी। घायल बुजुर्ग ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसा खुडैल थाना क्षेत्र के ग्राम पिवडाय के पास हुआ। मृतक की पहचान शरीफ (73 वर्ष) के रूप में हुई है, जो ग्राम पिवडाय के रहने वाले थे। प्राप्त जानकारी अनुसार, शरीफ राउली कुडाल के जंगल में चौकीदारी का काम करते थे। रविवार शाम को जब वह अपनी ड्यूटी खत्म कर साइकिल से वापस अपने घर की ओर जा रहे थे, तभी ग्राम पिवडाय के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस को सूचना दी और शरीफ को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल पहुँचाया। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में आई गंभीर चोटों के कारण रविवार देर रात इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

सीधी में पूजा करके लौट रहे पुजारी की गला रेतकर हत्या

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी जिले के कुसमी थाना क्षेत्र में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां 75 साल के पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की जघन्य हत्या की गई। कुसमी तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर में द्विवेदी लंबे समय से सेवा दे रहे थे। उनपर तब हमला हुआ, जब वे रोज की तरह पूजा-अर्चना कर घर लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, आरोपी ने बाइक से जा रहे पुजारी की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद भी हमलावर नहीं रुका और उनके सीने पर लगातार प्रहार किए। मृतक के भतीजे ने बताया कि उनके चाचा बेहद शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और किसी से कोई दुश्मनी नहीं रखते थे। चाचा बाइक से मंदिर से कुछ आगे बढ़े और तभी आरोपी लाला केवट ने अचानक गर्दन पर वार कर दिया। जिससे वह गिर पड़े, इसके बाद आरोपी ने सीने में करीब 8 बार वार किए, घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई! वहीं मामले को लेकर एक वकील ने आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी ब्राह्मण समाज के प्रति बैर रखता था. पंडित जी की उससे कोई व्यक्तिगत रंजिश नहीं थी। हालांकि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह का खुलासा अभी जांच के बाद ही संभव होगा। जहां घटना के बाद परिजन और आसपास के ग्रामीण न्याय की मांग को लेकर सड़क पर उतर आए हैं। ग्रामीणों ने हत्या का मुकदमा दर्ज करने के साथ-साथ आरोपी के घर को गिराने की मांग की है।

राजगढ़ में हाइवे किनारे का अतिक्रमण 15 दिवस में हटाने के निर्देश

राजगढ़. कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, अपर कलेक्टर प्रताप सिंह चौहान, पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में चालानी कार्यवाही, बस फिटनेस, ब्लैकस्पॉट, एनएचएआई संबंधी कार्य, तेजगती वाहनो पर कार्यवाही, हेल्मेट जागरूकता कार्यक्रम सहित करनवास एवं पचोर रेलवे स्टेशन क्षेत्र के ब्लैकस्पॉट रेक्टिफिकेशन कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गई। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों से पिछली बैठक के बाद की प्रगति की जानकारी ली गई तथा शेष कार्यो पर स्पष्टिकरण लिया गया।

साथ ही ट्रैक्टर एवं डंपरों पर रेडियम लगाए जाने को लेकर खनन अधिकारी को सख्त निर्देश दिए गए। पोर्टल पर पंजीकृत सभी डंपरों पर तत्काल रेडियम लगाए जाने के निर्देश भी दिए गए। जिला परिवहन विभाग को इस संबंध में अनिवार्य निर्देश जारी कर विशेष अभियान चलाने के लिए कहा गया। कलेक्टर डॉ. मिश्रा द्वारा स्कूल बसों की सघन जांच के निर्देश देते हुए कहा गया कि बसों की फिटनेस, ड्राइवर सत्यापन एवं सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी स्कूलों की बसों की जांच अनिवार्य रूप से की जाए। बच्चों की सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी।

उन्होंने हेलमेट न पहनने वालों पर कार्रवाई बढ़ाने एवं हेलमेट पहनने के प्रति जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। सीएसआर के माध्यम से हेलमेट वितरण कराने पर भी जोर दिया गया। ओवरस्पीडिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राजवीर योजना अंतर्गत भुगतान की भी गहन समीक्षा की गई। हाईवे के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगामी 15 दिनों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश एसडीएम एवं तहसीलदार को दिए गए। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए।

आधी रात तक मनाया गया महाशिवरात्रि महोत्सव शिव विवाह का रंगारंग आयोजन भी हुआ

झाबुआ. जिला शिव आराधना में डूबा रहा। अल सुबह से ही शिवालयों में शिवलिंग पर जल चढ़ाने ओर पूजा अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया था, जो रविवार मध्य रात्रि तक अविराम गति से चलता रहा। सब तरफ हर हर महादेव ओर नमः शिवाय की ध्वनि सुनाई देती रही। इस मौके पर दिन में शिव विवाह महोत्सव सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित हुए और रात में मंत्र-जाप एवं श्री शिव महिम्नः स्तोत्र, शिव आराधना के पाठ सुनाई देते रहे। जिला मुख्यालय स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में शुक्रवार से आयोजित शिव पार्वती विवाह महोत्सव एवं थांदला में दो दिवसीय शिव विवाह महोत्सव का रंगारंग समारोह भी महाशिवरात्रि पर्व पर देर शाम तक संपन्न हुआ। महाआरती के बाद विभिन्न मंदिरों में कई क्विंटल खिचड़ी प्रसादी वितरण की गई।

फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी के दिन जिला मुख्यालय सहित विभिन्न जनपदीय इलाकों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ महाशिवरात्रि का पर्व मनाया गया। सब तरफ जहां श्रद्धालुजनों द्वारा हर हर महादेव और नमः शिवाय की ध्वनि से शिव आराधना की जाती रही, वहीं विद्वान वैदिक आचार्यों द्वारा रूद्राभिषेक किया जाता रहा। पर्व के इस मौके पर मंदिरों में विभिन्न प्रकार की स्वादिष्ट फरियाली प्रसादी वितरण की गई। भगवान् शिव की पूजा, रूद्राभिषेक एवं स्तोत्र पाठ सहित आराधना का प्रातः काल ब्रह्म वैला से आरंभ हुआ सिलसिला अनवरत रूप से मध्य रात्रि में होने वाली महाआरती के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर एक तरफ जहां विभिन्न स्थानों मैं शिवालयों को आकर्षक रूप में सजाया गया, वहीं पूरे विधि-विधान पूर्वक हर्षोल्लास के साथ भगवान् शिव एवं देवी पार्वती का विवाह समारोह भी आयोजित किया गया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर जिला मुख्यालय के प्राचीनतम शिवालयो में गिने जाने वाले सिद्धेश्वर कालोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर एवं गोपेश्वर महादेव मंदिर, देवझिरी के संकट मोचक महादेव मंदिर, पेटलावद जनपद क्षेत्र के अंतर्गत माही नदी एवं मधुकन्या नदी के संगम स्थल पर अवस्थित श्रृंगी ऋषि की तपस्थली श्री श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर धाम, पेटलावद नगर में श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर, मेघनगर जनपद क्षेत्र के श्री जंगलेश्वर महादेव, पीपलखूंटा स्थित श्री हनुमंत निवास आश्रम में स्थापित द्वादश ज्योतिर्लिंग एवं नर्मदेश्वर महादेव, माही नदी किनारे श्री पारदेश्वर महादेव मंदिर, देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा स्थापित थांदला नगर के पश्चिम में पद्मावती

कार्य में लापरवाही पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी - सीएमओ ब्यावरा और सीएमओ खिलचीपुर को दी सख्त चेतावनी

राजगढ़, .कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय सीमा बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, अपर कलेक्टर प्रताप सिंह चौहान, संयुक्त कलेक्टर विरेन?द्र सिंह दांगी सहित संबंधित विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे। आयोजित समय सीमा बैठक में सीएम हेल?पलाईन, सीएम मॉनिट, ई-ऑफिस सार्थक ऐप, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं, लंबित प्रकरणों एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक?टर डॉ. मिश्रा द्वारा बैठक में 'संकल्प से समाधान' शिविरों के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए तथा सभी जिला एवं ब्लॉक अधिकारियों को शिविर स्थलों का अनिवार्य निरीक्षण कर लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही आगामी दिशा बैठक की तैयारियों की भी समीक्षा की गई और सभी विभागों को समयबद्ध तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

उन्?होंने पंचायत स्तर पर नए राजस्व स्त्रोतों के सृजन हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश सभी मुख्?य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को दिए गए। साथ ही एकल नल जल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। सीएम हेल?पलाईन की समीक्षा के दौरान सीएमओ ब्यावरा, सीएमओ खिलचीपुर, पीएचई एई एवं डब्ल्यूआरडी ईई को बॉटम एल 1 में निम्न प्रदर्शन पर सख्त चेतावनी दी गई। सीईओ जनपद राजगढ़ द्वारा संतुष्टिपूर्ण जवाब दर्ज न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई। 6 माह से नसबंदी उपरांत भुगतान लंबित रहने पर सीबीएमओ खुजनेर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बैठक में लंबित पेंशन प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। रेशम विभाग के कर्मचारियों द्वारा समय सीमा बैठक में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गई और न ही लंबित पेंशन प्रकरणों की जानकारी प्रस्तुत की गई, जिस पर कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने रेशम विभाग के सभी कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। ई-ऑफिस कार्यप्रणाली की समीक्षा में तहसीलदार ब्यावरा, आईटीआई राजगढ़ एवं अन्य विभाग जिनकी रिसीप्ट क्रिएशन कम पाई गई, उन्हें आगामी शुक्रवार को प्रशिक्षण हेतु बुलाने के निर्देश दिए गए। सभी विभागों को न्यूनतम 10 फाइल क्रिएशन एवं रिसीप्ट क्रिएशन सुनिश्चित करने तथा अगली समय सीमा बैठक में इसकी मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया गया।

दिगंबर जैन मंदिरों में महासभा द्वारा समर्पित घड़ीया सारंगपुर व तिंगजपुर के जिनालयो मे की स्थापित

सारंगपुर। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षण महासभा संभाग भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश के समस्त दिगंबर जैन मंदिरों के लिए एक सुंदर दीवार घड़ी समर्पित करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में सोमवार, 16 फरवरी को सारंगपुर स्थित श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, बड़ा मंदिर एवं श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन छोटा मंदिर व तिंगजपुर के चन्दाप्रभु जिनालय में घड़ी विधिवत स्थापित की गई।

स्थानीय महासभा के सदस्यों ने मंदिर प्रबंधन की उपस्थिति में घड़ी को यथास्थान लगाया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने इसे समय की अनुशासनबद्ध साधना और धार्मिक गतिविधियों के सुचारू संचालन की दिशा में एक सार्थक पहल बताया। मंदिरों में प्रातःकालीन पूजन, अभिषेक, स्वाध्याय एवं आरती जैसे नियमित कार्यक्रम समयानुसार संचालित होते हैं, ऐसे में यह घड़ी श्रद्धालुओं एवं प्रबंध समिति दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर महासभा उपाध्यक्ष लतेश सिधई ने कहा कि तीर्थ संरक्षण महासभा का उद्देश्य केवल प्राचीन जैन तीर्थों का संरक्षण ही नहीं, बल्कि मंदिरों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में भी सहयोग करना है। मंदिरों में इस प्रकार की छोटी-छोटी लेकिन उपयोगी व्यवस्थाएँ श्रद्धालुओं की सुविधा और अनुशासन को सुदृढ़ करती हैं। अंत में मंदिर प्रबंधन समिति ने महासभा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल अन्य मंदिरों के लिए भी प्रेरणादायी सिद्ध होगी।

श्री मंडोदातीर्थ में दो दिवसीय विशाल जैन मेला 22 से

सारंगपुर। शहर से 8 किमी दूर स्थित ग्राम मंडोदा में मालवा प्रसिद्ध पार्श्वनाथ भगवान के जिनालय वर्षगांठ निमित्त श्री जिनेद्र भक्ति महोत्सव विशाल जैन 2 दिवसीय मेले का आयोजन 22 फरवरी से होगा जो 23 फरवरी तक चलेगा। इसमें श्रीमंडोदा पार्श्वनाथ तीर्थ का शास्त्रविहित प्रतिमा उत्थापन होगा। बता दे कि मंडोदा में 534 वर्ष प्राचीन एवं ऐतिहासिक देवाधिदेव श्रीपार्श्वनाथ भगवान की अत्यंत नयनानंदकारी एवं आलोकिक प्रतिमा विराजमान है। यह हर साल जिनालय वर्षगांठ निमित्त दो दिवसीय महोत्सव आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी यह कार्यक्रम होंगे। सारंगपुर से पैदल यात्रा मंडोदा तीर्थ पहुंचेगी। जहां सुबह की नवकारसी, सत्तर भेंदी पूजन एवं शाम का स्वामीवात्सल्य होगा। 23 फरवरी को दोपहर बाद प्रभु पार्श्वनाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। वही सुबह का नाश्ता एवं परम पुज्य दादागुरू देव की पूजन एवं शाम का स्वामी वात्सल्य होगा। विधिकारक के रुप में पंकज चौपड़ा खाचरोद रहेंगे। ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाजजनों से समिति अध्यक्ष अरुण सिंघवी, सचिव विनय बरडिया, कोषाध्यक्ष सुधीर श्रीमाल, उपाध्यक्ष गेंदमल भरमतिया, सह सचिव महेंद्र बड़ेरा ने अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। 22 फरवरी को सुबह की नवकारसी के लाभार्थी राजेंद्र कुमार जैन स्व. हंसादेवी, संजय कुमार दिपिका, हार्दिक, दिव्यांश जैन बुरड परिवार इंदौर। सत्तरभेदी पूजा एवं शाम का स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी श्रीमंडोदा पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ मूर्तिपूजक ट्रस्ट एवं समिति सदस्य मंडोदा तीर्थ रहेंगे। 23 फरवरी को सुबह की नवकारजी प्रातः पू. दादा गुरुदेव की पूजन एवं शाम का स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी स्व सेठ हजारीमल, स्व. मनोरमा देवी, स्व. हेमराज, स्व. मुलीबाई, स्व चिंतामण, स्व कुसुमलता, स्व. विरेंद्र , स्व. कमल सिंघवी की स्मृति में समस्त सिंघवी परिवार नलखेडा की और से रहेगा।

सागर में डूबते गांव और दर्द बनते प्रोजेक्ट

जंगल और जमीन से विस्थापित जिएं तो जिएं कैसे

सागर. विकास की योजनाएं कभी-कभी आम लोगों के लिए जिंदगी की जद्दोजहद में तब्दील हो जाती हैं। ऐसा ही सागर के आदिवासी बाहुल्य गांव खानपुर के साथ हुआ। प्राचीन इतिहास से लेकर अंग्रेजों के जमाने तक की विरासत का गवाह ये गांव पूरी तरह विस्थापित हो गया है। प्रकृति के गोद में बसे गांव से लगे जंगल से गुजरने वाली कढ़ान नदी के किनारे ताम्रपाषाण युग के शैलचित्र से लेकर अंग्रेजों के जमाने तक की विरासत मिलती थी, जिसके सहारे सौंर आदिवासी बाहुल्य गांव खानपुर के आदिवासी अपना जीवन यापन करते थे।

लेकिन सतगढ़ कढ़ान मध्यम सिंचाई परियोजना के चलते ऐतिहासिक गांव खानपुर डूब में आ गया और गांव पूरी तरह खाली करा लिया गया। गांव आज उजड़ चुका है, विस्थापितों को नई पुनर्वास कॉलोनी में बसाया गया है। यहां पर बुनियादी सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं है। लोगों को पीने के लिए गंदा पानी मिल रहा है। बिजली है, लेकिन मीटर नहीं है। सडक़ के नाम पर कच्ची सडक़ अब तक बन पायी है। खास बात ये है कि यहां विस्थापित गरीब आदिवासियों के लिए रोजगार का कोई साधन नहीं है। खानपुर में जंगल उनकी आजीविका का साधन था, लेकिन विस्थापित कालोनी में आज वो रोजगार के लिए मोहताज हैं।

सतगढ़ कढ़ान मध्यम सिंचाई परियोजना से विस्थापित गांव

खानपुर गांव की बात करें, तो ये गांव सतगढ़ कढ़ान मध्यम सिंचाई परियोजना के कारण विस्थापित हो गया है। जहां तक सतगढ़ कढ़ान परियोजना की बात करें, तो नरयावली विधानसभा में सिंचाई के लिए इस परियोजना की स्वीकृति 2016-2018 में मंजूर की गयी थी। 425 करोड़ की लागत की इस परियोजना से 60 से अधिक गांवों में सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा और करीब 24 हजार एकड़ कृषि भूमि प्रेशराइज्ड पाइप इरीगेशन सिस्टम से पाइपलाइन बिछाकर सिंचिंत होगी। परियोजना के कारण आदिवासी बाहुल्य खानपुर गांव विस्थापित हो गया है। जहां के निवासियों को मुआवजा मिला है, लेकिन सुविधाएं नहीं। हलकई आदिवासी बताते हैं कि लंबे समय से यहीं बसे हुए हैं, 4-5 एकड़ जमीन थी, डूब में चली गयी है। मुआवजा काफी कम मिला है।

खानपुर गांव की बात करें, तो पिछले साल बारिश का मौसम आते ही गांव को पूरा खाली करा लिया गया था, क्योंकि बांध में पानी के ओव्हरफ्लो होने की स्थिति में गांव डूब में आ गया था। यहां 86 परिवार निवास करते थे, जिसमें सबसे ज्यादा संख्या सौंर आदिवासियों की थी। जिनके पास थोड़ी बहुत जमीन थी, इसके अलावा जंगल से जड़ी बूटियां तलाशकर और लकड़ी बीनने के अलावा गांव के लोगों के खेतों में मजदूरी करके आदिवासी जीवन यापन करते थे। यहां के किसानों को मुआवजा मिला, लेकिन वो नाकाफी था। आदिवासी परिवारों के पास खेती की जमीन ना के बराबर थी, दूसरे किसानों के यहां मजदूरी कर और गांव से लगे जंगल से लकडियां और जड़ी बूटियां बीनकर बाजार में बेंचकर परिवार का भरणपोषण करते थे। लेकिन गांव छूटा, तो सबकुछ छिन गया। जनकरानी आदिवासी बताती हैं कि पानी बरसते में हम लोगों को यहां भेज दिया था। उधर, जंगल में लकड़ी काटकर बेंचते थे, तो बच्चों को खाना मिल जाता था। यहां कोई काम नहीं है, मुआवजा में सिर्फ 1.50 लाख रुपए मिले, तो कर्जा चुका दिया। कुटीर बनाने का बोला था, लेकिन अब तक नहीं मिली। पैसा खत्म हो गया, तो मकान नहीं बना पाए। गंदा पानी पीने के लिए मजबूर हैं।

ग्रामीणों को गांव से बेदखल करते समय तय किया गया कि नजदीकी गांव सलेरा में खानपुर के विस्तापितों की कॉलोनी बनायी जाएगी। जिसमें सभी तरह की बुनियादी सुविधाएं होंगी। स्कूल,आंगनवाड़ी, सामुदायिक भवन, पक्की सडक़, नल जल योजना के माध्यम से पानी और हर घर में मीटर लगाकर बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। सलेरा गांव में जहां पुनर्वास कालोनी बनायी गयी है वहां स्कूल भवन, आंगनवाड़ी और सामुदायिक भवन बनाया गया है, लेकिन सडक़ कच्ची है। गांव में बिजली की लाइन तो बिछाई गयी है, लेकिन घरों में मीटर नहीं लगाए गए हैं। नल जल योजना से पानी सप्लाई होता है, लेकिन गंदा पानी पीने को लोग मजबूर हैं।

खजुराहो के पास दतला पहाड़ बनेगा अंतरराष्ट्रीय वेलनेस टूरिज्म

भोपाल। खजुराहो की ऐतिहासिक पहचान के साथ अब छतरपुर जिले को पर्यटन के क्षेत्र में एक नई सौगात मिलने जा रही है। राजनगर तहसील के अंतर्गत चितरई गांव में स्थित दतला पहाड़ को मध्य प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर के मल्टी-टूरिज्म और वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत दतला पहाड़ को ओरछा, पन्ना टाइगर रिजर्व और आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों से जोडक़र एक नए टूरिज्म कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है।

परियोजना के लिए करीब 70 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है, जिस पर लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य किया जाएगा। इसके लिए निजी निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं और परियोजना को डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण मॉडल पर लागू किया जाएगा। चयनित निजी कंपनी को भूमि 90 वर्षों की लीज पर दी जाएगी, जबकि पूरे प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए पांच वर्ष की समय-सीमा तय की गई है।

इन सुविधाओं को किया जाएगा विकसित

इस परियोजना के तहत क्षेत्र में वेलनेस रिसॉर्ट, ईको-फ्रेंडली कॉटेज, एडवेंचर टूरिज्म गतिविधियां, योग और ध्यान केंद्र, ट्रेकिंग ट्रेल्स तथा प्रकृति आधारित पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे खजुराहो आने वाले पर्यटकों को नया अनुभव मिलेगा और उनके ठहरने की अवधि भी बढ़ेगी। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से छतरपुर और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन को नई रफ्तार मिलेगी। होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी सेवाएं, स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प और ग्रामीण रोजगार से जुड़े लोगों को सीधे और परोक्ष रूप से लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे बुंदेलखंड क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

खजुराहो मंदिर से 8 किलोमीटर दूर है दतला पहाड़

दतला पहाड़ खजुराहो मंदिर समूह से करीब आठ किलोमीटर दूर स्थित है और अपनी अनोखी बनावट के लिए जाना जाता है। क्वाट्‌र्ज पत्थरों से बनी यह पहाड़ी श्रृंखला घिसे हुए दांतों जैसी दिखाई देती है, इसलिए इसे दतला या दांतला पहाड़ कहा जाता है।

रचिन और ग्लेन फिलिप्स की तूफानी पारी से जीता न्यूजीलैंड, कनाडा को हराकर सुपर-8 में किया क्वालीफाई

कनाडा को 8 विकेट से हराकर न्यूजीलैंड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में अपनी जगह कंफर्म कर ली है. 174 रनों का पीछा करते हुए रचिन रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स ने अर्धशतक लगाए.

नई दिल्ली, एजेंसी | न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में क्वालीफाई कर लिया है. कीवी टीम ने मंगलवार को खेले गए पहले मुकाबले में कनाडा को 8 विकेट से हराया. एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में कनाडा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था. युवराज सामरा के ऐतिहासिक शतक की बदौलत कनाडा ने 173 रनों का अच्छा स्कोर खड़ा किया. लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली. न्यूजीलैंड ने 16वें ही ओवर में लक्ष्य हासिल कर बड़ी जीत दर्ज की.

चेन्नई के एमए चिदंबरम में हुए इस मैच में टॉस जीतकर कनाडा ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था. सलामी बल्लेबाज युवराज सामरा ने 110 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली, वह टी20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए. कनाडा ने 173 रन बनाए थे.

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने पॉवरप्ले में ही अपने दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे. फिन एलन ने 8 गेंदों में ताबड़तोड़ 21 रन बनाए, लेकिन चौथे ओवर की पहली गेंद पर आउट हो गए. इससे पिछले ओवर में टिम सेफर्ट (6) भी पवेलियन लौट चुके थे. तब लगा था कि कनाडा के गेंदबाज कड़ी टक्कर पेश करेंगे, लेकिन ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र की नाबाद पारी ने इस लक्ष्य को मामूली सा बना दिया.

रचिन और फिलिप्स ने खेली तूफानी पारी

30 रनों पर न्यूजीलैंड ने 2 विकेट गंवा दिए थे, उसके बाद आए रचिन रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स ने अंत तक बल्लेबाजी की और 29 गेंद रहते अपनी टीम को जीत दिला दी. रचिन ने 39 गेंदों में 3 छक्के और 4 चौकों की मदद से 59 रन बनाए. ग्लेन फिलिप्स ने 36 गेंदों में 76 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें उन्होंने 6 छक्के और 4 चौके जड़े. फिलिप्स को प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड मिला.

सुपर-8 में किया क्वालीफाई

न्यूजीलैंड ग्रुप डी से सुपर-8 में पहुंचने वाली दूसरी टीम है, जिसने 4 में से 3 मैच जीते हैं और 1 हारा. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका लगातार 3 मैच जीतकर सुपर-8 में प्रवेश कर चुकी है. इस ग्रुप में शामिल अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा का टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया है.

इमरान खान के सपोर्ट में क्रिकेट जगत के 14 दिग्गज

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर और कपिल देव सहित 14 पूर्व कप्तानों ने जेल में बंद क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान के बिगड़ते स्वास्थ्य पर ''गहरी चिंता'' व्यक्त करते हुए पाकिस्तान सरकार से उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उचित चिकित्सा और सम्मानजनक परिस्थितियां प्रदान करने का आग्रह किया है। इस पत्र पर माइकल एथरटन, एलन बॉर्डर, माइकल ब्रेयरली, ग्रेग चैपल, इयान चैपल, बेलिंडा क्लार्क, डेविड गावर, किम ह्यूज, नासिर हुसैन, क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ और जॉन राइट ने भी हस्ताक्षर किए हैं।

लगभग 14 पूर्व कप्तानों ने ''पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों की अपील'' शीर्षक से पाकिस्तान सरकार को एक पत्र लिखकर इमरान के साथ उचित व्यवहार करने की मांग की। पत्र में कहा गया है, ''हम अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों के पूर्व कप्तान, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और विश्व क्रिकेट के दिग्गज इमरान खान के साथ कथित व्यवहार और कारावास की स्थितियों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पत्र लिख रहे हैं।'' इसमें कहा गया है, ''उनके स्वास्थ्य को लेकर हाल की रिपोर्टों, विशेष रूप से हिरासत में रहने के दौरान उनकी दृष्टि में खतरनाक गिरावट और पिछले ढाई वर्षों में उनकी कैद की स्थितियों ने हमें गहरी चिंता में डाल दिया है।'' पत्र के अनुसार, ''हम क्रिकेटर निष्पक्ष खेल, सम्मान और आदर के मूल्यों को समझते हैं जो किसी तरह की सीमा से परे हैं। हम मानते हैं कि इमरान खान जैसे व्यक्ति के साथ एक पूर्व राष्ट्रीय नेता और एक वैश्विक खेल आइकन के तौर पर गरिमा और मानवीय सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए।''

पत्र में पूर्व कप्तानों ने 73 वर्षीय खान के लिए उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने, पारदर्शी कानूनी प्रक्रियाओं और सम्मानजनक व्यवहार की मांग की है।

श्रीजेश ने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच पद के लिए दोबारा आवेदन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी | महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में अपने कार्यकाल के पिछले साल दिसंबर में समाप्त होने के बाद इस पद के लिए दोबारा आवेदन किया है। इस नियुक्ति पर अगले पखवाड़े में फैसला होने की संभावना है। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनके मार्गदर्शन में भारत ने बीते दिसंबर में चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर नौ साल बाद इस प्रतियोगिता में पोडियम स्थान हासिल किया था । श्रीजेश ने 'पीटीआई' से कहा, ''हां, विश्व कप के बाद 21 दिसंबर को मेरा अनुबंध खत्म हो गया था और उसके बाद मैं केरल स्थित अपने गृहनगर में हूं। विज्ञापन आने पर मैंने दोबारा आवेदन किया। मुझे पता है कि छह-सात अन्य उम्मीदवारों ने भी आवेदन किया है। अब देखते हैं क्या होता है।" उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव पर कहा, "यह सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। उतार-चढ़ाव रहे, लेकिन विश्व कप का कांस्य पदक खास रहा। हमारा लक्ष्य हालांकि स्वर्ण था। संन्यास के बाद मेरा मकसद खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता है।" हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, "नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी।" भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर भी बात की, जहां टीम को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ लगातार चार हार झेलनी पड़ी। इसमें अर्जेंटीना के खिलाफ 0-8 की करारी शिकस्त सबसे निराशाजनक परिणाम रहा था। सिंह ने कहा कि आगामी सत्र काफी व्यस्त है और इसमें एशियाई खेल और विश्व कप शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को देखते हुए चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में नतीजे दिखाई देंगे।" भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा। टीम को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया और स्पेन का सामना करना होगा। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह के "व्यक्तिगत कारणों" से बाहर होने के बाद मिडफील्डर हार्दिक सिंह टीम की अगुवाई करेंगे

ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर फिर गया पानी, टी20 विश्व कप में सफर समाप्त, जिम्बाब्वे सुपर-8 में

नई दिल्ली, एजेंसी | ऑस्ट्रेलिया का टी20 विश्व कप 2026 में सफर समाप्त हो गया है। टीम सुपर-8 में जगह नहीं बना पाई। टूर्नामेंट के 32वें मैच में जिम्बाब्वे की टक्कर आयरलैंड से थी। आयरलैंड की जीत से ही ऑस्ट्रेलिया की टीम सुपर-8 की रेस में बरकरार रह पाती। बारिश की वजह से इस मुकाबले में टॉस भी नहीं हो पाया और इसे रद्द करना पड़ा। इससे जिम्बाब्वे को एक पॉइंट मिल गया और टीम सुपर-8 में पहुंच गई। इसके साथ ही जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप 2028 में डायरेक्ट क्वालीफाई भी कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया 4 पॉइंट तक ही पहुंच पाएगी

ऑस्ट्रेलिया को अभी तक खेले तीन मैचों में दो हार मिली है। टीम के सिर्फ दो ही पॉइंट हैं। उसे आखिरी मैच ओमान से खेलना है। उस मैच में जीत हासिल करके भी टीम अब 4 पॉइंट तक ही पहुंच पाएगी। वहीं 3 मैचों में ही जिम्बाब्वे के 5 पॉइंट हो गए हैं। उनसे ओमान को हराने के बाद बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया है। यह सिर्फ दूसरा मौका है जब ऑस्ट्रेलिया की टीम टी20 विश्व कप के पहले ही राउंड से बाहर हो गई। 2009 में भी टीम ग्रुप राउंड से बाहर हुई थी।

सुपर-8 की 7 टीमें पक्की हो गईं

ग्रुप बी से श्रीलंका की टीम पहले ही सुपर-8 में जा चुकी है। ऑस्ट्रेलिया के साथ ही आयरलैंड का भी टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। जिम्बाब्वे टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 में पहुंचने वाली 7वीं टीम बन गई है। इससे पहले भारत, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और श्रीलंका की टीम सुपर-8 में जगह पक्की कर चुकी है।

व्यापार

दूसरी बार भी ईडी के सामने नहीं पेश हुईं टीना अंबानी, अमेरिका से जुड़ी संपत्ति को लेकर होनी है पूछताछ

मुंबई, एजेंसी | पूर्व अभिनेत्री टीना अंबानी लगातार दूसरी बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन पर मंगलवार को नहीं पेश हुईं हैं। धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए उन्हें बुलाया गया था। अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले 10 फरवरी को भी वह संघीय जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुई थीं, जिसके बाद उन्हें दूसरा नया नोटिस भेजा गया था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उन्होंने अनुपस्थित रहने का कोई कारण जांच अधिकारी को बताया है या नहीं। ईडी सूत्रों का कहना है कि उन्हें पूछताछ के लिए नई तारीख दी जा सकती है।

पीएमएलए के तहत दर्ज किया जाएगा बयान - जांच एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि टीना अंबानी के पेश होने पर उनसे विस्तृत पूछताछ की जाएगी और उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया जाएगा। इसी मामले में 66 वर्षीय अनिल अंबानी को भी रिलायंस समूह की कई कंपनियों और उनसे जुड़े बैंक ऋण मामलों की जांच के सिलसिले में बुधवार को दूसरी बार पेश होने को कहा गया है। वह पहली बार अगस्त 2025 में ईडी के सामने पेश हुए थे।

अमेरिकी संपत्ति सौदे की जांच - सूत्रों के मुताबिक, टीना अंबानी को न्यूयॉर्क के मैनहैटन इलाके में स्थित एक लग्जरी आवासीय अपार्टमेंट की खरीद से जुड़े धन के स्रोत की जांच के लिए बुलाया गया है। इस मामले में ईडी ने हाल ही में रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व अध्यक्ष पुनीत गर्ग को गिरफ्तार किया था। एजेंसी का आरोप है कि न्यूयॉर्क स्थित यह संपत्ति वर्ष 2023 में कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के दौरान गर्ग ने धोखाधड़ी से बेच दी थी। बताया जाता है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने वर्ष 2025 में शेयर बाजार को इस संदिग्ध बिक्री की जानकारी दी थी।

विदेशी लेनदेन पर संदेह - ईडी के अनुसार, इस संपत्ति की बिक्री से प्राप्त 8.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 69.55 करोड़ रुपये) की राशि अमेरिका से दुबई स्थित एक इकाई को कथित फर्जी निवेश के नाम पर भेजी गई थी। एजेंसी का यह भी दावा है कि उस इकाई पर पाकिस्तान से जुड़े एक व्यक्ति का नियंत्रण था।

विशेष जांच दल गठित - सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ईडी ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह के खिलाफ कथित बैंक धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं के कई मामलों की जांच के लिए हाल ही में एक विशेष जांच दल गठित किया है।

2035 तक 100 अरब डॉलर से डेटा सेंटर बनाएगा अदाणी समूह, भारत में 250 अरब डॉलर का एआई इकोसिस्टम लक्ष्य

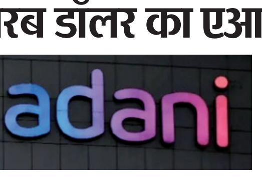

नई दिल्ली , एजेंसी | अदाणी समूह ने मंगलवार को घोषणा की कि वह 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित हाइपरस्केल, एआई-रेडी डेटा सेंटर विकसित करने के लिए 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा। यह दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा-और-कंप्यूट पहल में से एक मानी जा रही है।

150 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद - समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के अनुसार, इस पहल से सर्वर मैन्युफैक्चरिंग, क्लाउड प्लेटफॉर्म और सहयोगी उद्योगों में अतिरिक्त 150 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। इससे भारत में कुल 250 अरब डॉलर का AI इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम तैयार हो सकता है।

दुनिया इंटेलिजेंस रिवोल्यूशन के दौर में प्रवेश कर रही है - अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि दुनिया एक ऐसी इंटेलिजेंस रिवोल्यूशन के दौर में प्रवेश कर रही है, जो किसी भी औद्योगिक क्रांति से अधिक गहरी है, और जो देश ऊर्जा और कंप्यूट के संतुलन को साध लेंगे, वही अगले दशक की दिशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत इस क्षेत्र में नेतृत्व करने की अनूठी स्थिति में है।

उन्होंने बताया कि समूह अपने डेटा सेंटर और ग्रीन एनर्जी के मौजूदा आधार पर आगे बढ़ते हुए भारत की तकनीकी संप्रभुता को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण पांच-स्तरीय एआई स्टैक विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। अडानी के अनुसार, भारत AI युग में केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि निर्माता, निर्माता और निर्यातक की भूमिका निभाएगा।

गूगल और माइक्रोसॉफ्ट की ली जाएगी मदद - यह रोडमैप अदाणीकनेक्स के 2 गीगावाट राष्ट्रीय डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिसे बढ़ाकर 5 गीगावाट तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस विस्तार के तहत गूगल के साथ विशाखापट्टनम में देश का सबसे बड़ा गीगावाट-स्केल एआई डेटा सेंटर कैंपस स्थापित करने और माइक्रोसॉफ्ट के साथ हैदराबाद व पुणे में इसी तरह की सुविधाएं विकसित करने की साझेदारी की गई है। समूह ने यह भी कहा कि वह भारत में बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर कैंपस स्थापित करने के लिए अन्य वैश्विक कंपनियों के साथ भी बातचीत कर रहा है, हालांकि विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। इसके अलावा, अदाणी समूह फ्लिपकार्ट के साथ सहयोग को भी मजबूत कर रहा है, जिसके तहत हाई-परफॉर्मेंस एआई वर्कलोड और अगली पीढ़ी के डिजिटल कॉमर्स को सपोर्ट करने के लिए दूसरा एआई डेटा सेंटर विकसित किया जाएगा।

एआई इकोसिस्टम अब जमीनी नवाचार की ओर, YuvAi हैकथॉन में 3000 छात्रों ने पेश किए देसी समाधान

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत का एआई इकोसिस्टम अब केवल कॉरपोरेट बोर्डरूम और नीतिगत चर्चाओं तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि यह अब जमीनी स्तर पर नवाचार की ओर बढ़ रहा है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के तहत, 'YuvAi' पहल के तहत आयोजित हैकथॉन ने देश की युवा प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान किया है। टाटा के सहयोग से आयोजित इस इस हैकथॉन में 3,000 छात्रों ने हिस्सा लिया और भारत की विविधता को ध्यान में रखते हुए 'वर्नाकुलर' (क्षेत्रीय भाषाई) समाधान पेश किए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव भी इस आयोजन के दौरान मौजूद रहे।

एआई भारत की बड़ी क्षमताओं में से एक बन कर उभर रहा – केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि एआई भारत की बड़ी क्षमताओं में से एक बन रहा है। जिस तरह से हमारे छात्र, रिसर्चर, स्टार्टअप, आईटी इंडस्ट्री एआई का इस्तेमाल करके एक अलग स्तर पर नए समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं, वह देश की एक बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा टेक्नोलॉजी को डमोक्रेटाइज करने का एक विजन दिया है, उसी विजन के साथ एआई में भी भारत एक नई पहचान बना रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत के जो एआई मॉडल्स हैं उनकी कई ग्लोबल मॉडल्स के साथ तुलना की गयी, टेस्ट किया गया और ये टेस्टिंग ग्लोबल पैरामीटर के आधार पर की गई है, उनसब पर भारत के सभी एआई मॉडल्स खरे उतरे हैं। हमारे इंजीनियर की ये जो क्षमता है, उसे आज विश्व पहचान रहा है। हेल्थ केयर में भारत एआई का प्रयोग करके ऐसे सल्युशन दे सकेगा जो की विश्वभर में पहचाने जा सकेंगे। आने वाले समय में भारत हेल्थ केयर का एक नया मॉडल दे पाएगा। बहुत बड़े स्केल पर इंडस्ट्री के साथ मिलकर, उद्योग, अकादमी और सरकार तीनों एक जुट होकर उचित तरीके से कौशल, रि-स्किलिंग और अप-स्किलिंग पर काम करेंगे।

एआई को सामाजिक बदलाव के उपकरण के रूप में देखा जा रहा – यह इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के उस व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें एआई को केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव के उपकरण के रूप में देखा जा रहा है। हैकथॉन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैश्वणव ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए 3,000 छात्रों के साथ सीधा संवाद किया। इस बातचीत का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा प्रस्तावित 'डोमेन-आधारित वर्नाकुलर स्तर के समाधान' थे।

व्यावसायिक दृष्टिकोण से, यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। भारत जैसे विविध भाषाई देश में, अंग्रेजी-आधारित एआई मॉडल की पहुंच सीमित है। छात्रों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में समाधान विकसित करना यह दर्शाता है कि अगली पीढ़ी के स्टार्टअप्स टीयर-2 और टीयर-3 शहरों की समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ये समाधान संभवतः कृषि, स्थानीय एमएसएमई और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल डिवाइड को कम करने में मददगार साबित होंगे। छात्रों का यह प्रयास मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन के उस बयान से मेल खाता है जिसमें उन्होंने कहा था कि एआई मिशन का फोकस 'हाइप' पर नहीं, बल्कि 'इम्पैक्ट' और प्रोडक्टिविटी पर है।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 174 अंक चढ़ा, निफ्टी 25700 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। बैंक, आईटी और पूंजीगत सामान शेयरों में तेजी के चलते शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे बढ़कर 90.69 पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 173.81 अंक या 0.21 प्रतिशत चढ़कर 83,450.96 पर बंद हुआ। दिन के दौरान सूचकांक 83,598 के उच्च स्तर और 82,987.43 के निम्न स्तर के बीच उतार-चढ़ाव करता रहा। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.65 अंक या 0.17 प्रतिशत बढ़कर 25,725.40 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस, एशियन पेंट्स, टाइटन, अदानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मास्यूटिकल्स, मारुति सुजुकी इंडिया, इंडिगो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टेक महिंद्रा प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयर थे। दूसरी ओर, इटरनल, टाटा स्टील, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर घाटे में बंद हुए। व्यापक सूचकांकों में भी मजबूती देखी गई, जिसमें बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट इंडेक्स 0.49 प्रतिशत और मिडकैप सेलेक्ट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत बढ़ा।

यूरोपीय बाजारों में दिखी तेजी

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.47 प्रतिशत नीचे बंद हुआ, जबकि चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के बाजार चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में सत्र के मध्य में तेजी देखी जा रही है। अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को राष्ट्रपति दिवस के कारण बंद रहा।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 68.13 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.79 प्रतिशत गिरकर 68.13 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 972.13 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,666.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक बढ़कर 83,277.15 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 211.65 अंक बढ़कर 25,682.75 पर स्थिर हुआ।

यूपी में न दंगा न कर्फ्यू, सब चंगा...

● विधान परिषद में बोले सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने प्रदेश को अराजकता अव्यवस्था का गढ़ बना दिया था। आज डबल इंजन सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नीति और सशासन की प्रतिबद्धता के कारण बीमारू से ब्रेकथ्रू स्टेट बना है।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले गुंडे और माफिया इस प्रदेश में समानांतर सरकार चला रहे थे। वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया का राज था। प्रदेश की छवि अराजकता और अस्थिरता का पर्याय बन गया था। लेकिन आज उपद्रव प्रदेश उत्सव प्रदेश बन गया है। रूल ऑफ लॉ स्थापित किया। यूपी में न दंगा न कर्फ्यू, अब सब चंगा। बकौल सीएम- यूपी फियर जोन से फेथ जोन में बदला है। अब कर्फ्यू कल्चर नही जीरो टॉलरेंस का कल्चर है। अब फेस्टिव एंड टेम्पल इकोनॉमी ग्रो कर रही है। अब फेस्टिव एंड टेम्पल इकोनॉमी ग्रो कर रही है। कोई सोच सकता था माघ मेला में जहां केवल कल्पवासी आते थे। कुछ लाख श्रद्धालु आते थे। आज 21 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए, क्योंकि उसको व्यवस्था सुरक्षा पर विश्वास है।

नौकरी के मुद्दे पर सीएम योगी ने कहा कि पुलिस में 2 लाख 19 हजार भर्तियां निकाली गईं, इनमें 20 फीसदी बेटियां हैं। 2017 में यूपी पुलिस में कुल दस हजार महिला कार्मिक थी आज 44000 से अधिक हैं। 2017 से पहले यूपी पुलिस के पास ट्रेनिंग की व्यवस्था नहीं थी।। आज 60000 कार्मिक एक साथ ट्रेनिंग ले रहे हैं। पहले फॉरेंसिक लैब मात्र 2 थीं, आज हमलोग 12 लैब बना चुके हैं 6 अन्य निर्माणाधीन हैं। सभी 75 जिलों में दो फॉरेंसिक वन हैं। पीएसी को पिछली सरकार ने बंदी की कगार पर पहुंचा दिया था। आज 34 वाहिनियां है जिसमे 3 नई महिला बटालियन हैं- उदा देवी, झलकारी बाई और अवंती बाई।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि हम आभारी है प्रधानमंत्री मोदी जी के क्योंकि उन्होंने वंदे भारत राष्ट्र गीत को अनिवार्य किया है। वंदे मातरम भारत के आन बान शान का प्रतीक है। राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान राष्ट्रनायकों, तिरंगे का अपमान संविधान की अवहेलना है। सपा के सदस्य वंदे मातरम का अपमान कर रहे, संविधान का अपमान है, बाबा साहब अम्बेडकर का अपमान है। सपाई राममंदिर, काशी विश्वनाथ का विरोध करते हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा गाजी के मेले का समर्थन करती है। गाजी की भारत के हिंदू राजाओं ने रौंद डाला था। हमारी सरकार ने बहराइच में महराज सुहेलदेव के नाम पर स्मारक बनवाया।

हरियाणा में भी इंदौर जैसा कांड! पीने के पानी से मर गए 12 लोग

● सैकड़ों बीमारों की हो रही जांच

पलवल। इंदौर में जहरीले पानी पीने की वजह से हुई मौतों के बाद हरियाणा के पलवल में भी संक्रमित पानी की वजह से कई लोगों की जान चली गई है। जानकारी के मुताबिक पिछले दो सप्ताह में ही कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है जिसमें पांच बच्चे भी शामिल हैं। इनमें से चार लोगों की मौत हेपेटाइटिस-बी के कारण बताई गई है।

हेपेटाइटिस-बी से संक्रिमत पाए गए कई लोग : अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पलवल जिले के हथीन उपमंडल के छांयसा गांव में लोगों की जांच करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की एक टीम तैनात की गयी है। गांव में 400 से अधिक लोगों की जांच की गई है। हालांकि, कुछ ग्रामीणों का दावा है कि मृतकों की संख्या इससे अधिक है और इनमें कुछ युवा भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में से चार लोग हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित पाए गए। अन्य तीन मामलों में मौत के सटीक कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल खाद्य विषाक्तता और दूषित पेयजल की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है। हेपेटाइटिस-बी एक गंभीर यकृत संक्रमण है, जो हेपेटाइटिस-बी वायरस (एचबीवी) के कारण होता है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग की टीम रक्त के नमूने और अन्य नमूने एकत्र कर जांच कर रही है। जिन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता थी, उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छ्यांसा गांव की कुल जनसंख्या 5700 के करीब है। यहां एक मेडिकल टीम तैनात की गई है जो कि डोर टु डोर जाकर लोगों का चेकअप और स्क्रीनिंग कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 27 जनवरी से 11 फरवरी के बीच सात लोगों की मौत हुई थी। इनमें से चार की मौत लिवर फेल हो जाने की वजह से हुई। मरने वालों की आयु 9 साल से लेकर 65 साल तक थी। ज्यादातर लोगों ने बुखार, पेट में दर्द, दस्त और सिरदर्द की शिकायत की थी।

महिला करा रही थी मैटरनिटी फोटोशूट, पानी के पूल में गिरा बच्चा, डूबने से मौत

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक मां मैटरनिटी फोटोशूट करा रही थी, इसी दौरान उसके छोटे बच्चे की पानी के पूल में गिरने से मौत हो गई। बच्चे की पहचान लक्ष्मीर के रूप में हुई है। यह घटना शनिवार को उस वक्त हुई जब 8 महीने की प्रेग्नेंट महिला स्वाती अपने दूसरे बच्चे की आने की तैयारी में वाटर पूल के किनारे एक फोटोशूट करा रही थी। स्वाती और चरण का दूसरा बच्चा वहां खेल रहा था, तभी पास वह इस पानी के पूल में फिसलकर गिर गया। वहां मौजूद लोगों को बच्चे के पानी में गिरने का सही समय पर पता नहीं चल पाया और मदद नहीं मिल सकी।

पुलिस कर रही मामले की जांच: कुछ देर बाद जब बच्चे के बारे में पता चला तो उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया। सरकारी अस्पताल में उसका पोस्टमार्टम किया गया। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और घटना की वजह जानने के लिए जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने क्या बताया? : पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि फोटोशूट के दौरान कोई लापरवाही तो नहीं हुई। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे के पिता किसी काम के सिलसिले में विदेश में थे। उनके आज बेंगलुरु लौटने की उम्मीद है।

भारतीय सेना भगवान शंकर से प्रेरणा लेती है: राजनाथ सिंह

लोगों की मदद भी करती है और जरूरत पर ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई भी

कोयंबटूर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना भगवान शिव से प्रेरणा लेती है। उन्होंने कहा कि जैसे भगवान शिव सुरक्षा और विनाश दोनों के प्रतीक हैं, वैसे ही आज हमारी सेनाएं निडरता और धैर्य दोनों रखती हैं।

रक्षामंत्री ने कहा कि एक तरफ, वे संकट के समय शिव की भावना से मानवीय सहायता देते हैं, दूसरी तरफ, जब जरूरत होती है, तो वे रुद्र की तेजी से ऑपरेशन सिंदूर जैसे ऑपरेशन करते हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रयान और आदित्य-रु जैसे भारत के स्पेस मिशन सिर्फ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट नहीं हैं, बल्कि यह एक पुरानी साइंटिफिक विरासत का मॉडर्न एक्सप्रेशन है।

राजनाथ सिंह रविवार को ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने सद्गुरु जग्गी वासुदेव के साथ कुछ लोगों को सम्मानित भी किया।

राजनाथ की स्पीच की मुख्य बातें

भगवान शिव शुरुआत, हमेशा रहने वाले और अनंत हैं। शिव सत्य हैं और जो भी सत्य है वह शिव है। ऐसा माना जाता है कि ये वेल्लंगिरी पहाड़ियां शिव की पवित्र गुफा हैं, जिन्हें दक्षिण का कैलाश कहा जाता है। चंद्रयान और आदित्य-रु जैसे भारत के स्पेस मिशन सिर्फ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट नहीं हैं, बल्कि यह एक मॉडर्न एक्सप्रेशन है कि पुरानी साइंटिफिक भावना हमेशा से हमारी कल्चरल पहचान का हिस्सा रही है। जैसे हम स्पेस में सैटेलाइट भेजते हैं, वैसे ही हम अपने साइंटिफिक कल्चर को भी आगे बढ़ा रहे हैं। नेशनल सिक्योरिटी भारत के सैनिकों के हथियारों, टेक्नोलॉजी और फिजिकल ताकत से जुड़ी होती है। असली सिक्योरिटी सिर्फ बाहरी ताकत से नहीं आती। सच्ची सिक्योरिटी एक मजबूत नेशनल सोच से आती है। डर पर आधारित समाज लंबे समय तक कभी भी सच में सुरक्षित नहीं रह सकता।

काशी और तमिलनाडु के बीच बहुत पुराना कनेक्शन है। एक तरफ, काशी दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक है; दूसरी तरफ, तमिल कल्चर को दुनिया के सबसे पुराने कल्चर में गिना जाता है। भाषा, कल्चर और खाने में, तमिलनाडु बहुत अमीर है और इतिहास से जुड़ा हुआ है। मेरे लिए, तमिलनाडु की पवित्र धरती पर आना एक आशीर्वाद जैसा लगता है। मैं यहां मेहमान बनकर नहीं, बल्कि एक साधक, एक आध्यात्मिक व्यक्ति के तौर पर आया हूं।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए सैनिकों को सम्मानित किया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सद्गुरु जग्गी वासुदेव के साथ ईशा फाउंडेशन की ओर से सम्मानित लोगों को भव्य भारत भूषण अवॉर्ड मेडल और सर्टिफिकेट दिए। ये अवॉर्ड वेस्टर्न एयर कमांड के एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा और वेस्टर्न नेवल कमांड के एडमिरल राहुल विकास खोकले को ऑपरेशन सिंदूर के लिए दिए गए। दूसरे अवॉर्ड पाने वालों में आर्टिस्ट डॉ. एन. राजन, डांसर अलमेल वल्ली, रॉकेट साइंटिस्ट डॉ. नांबी नारायणन, इसरो के पूर्व चेयरमैन ए.एस. किरण कुमार, एकेडमिशियन विक्रम संपत और बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल शामिल थे।

मेले में गोलगप्पे खाने से 25 से अधिक बच्चे बीमार

● स्वास्थ्य विभाग की टीम पलामू रवाना

पांकी (पलामू)। पांकी थाना क्षेत्र के द्वारिका इलाके में महाशिवरात्रि मेले के दौरान गोलगप्पा खाने के बाद 25 से अधिक बच्चे बीमार हो गए। सभी बच्चों को उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन की शिकायत है। अधिकांश बच्चों का इलाज ग्रामीण स्तर पर ही कराया जा रहा है।

मामले की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव के लिए रवाना हो गई। एंबुलेंस भी भेजी गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जा सके। जानकारी के अनुसार, द्वारिका के रघुआखाड़ में महाशिवरात्रि के मौके पर मेला लगा था। मेले में द्वारिका, यादव टोला, जमुआटांड़ समेत आसपास के गांवों के बच्चों ने गोलगप्पा खाया था।

रविवार रात से एक-एक कर बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। सोमवार सुबह कई बच्चों की स्थिति और खराब हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पांकी को सूचना दी।

अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग : द्वारिका निवासी ध्रुव कुमार गुप्ता ने बताया कि उनके बेटे ने भी मेले में गोलगप्पा खाया था, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। स्थानीय स्तर पर उसका इलाज कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांव के कई अन्य बच्चे भी बीमार पड़े हैं।

इधर, पांकी के चिकित्सा प्रभारी डॉ. महेंद्र प्रसाद ने बताया कि कई बच्चों के बीमार होने की सूचना मिली है। स्वास्थ्य विभाग की टीम और एंबुलेंस को मौके पर भेजा गया है।

जापान, सिंगापुर, ग्रीस, इटली, अमेरिका, फ्रांस... कर्ज में डूबी है इन देशों की सरकार

नई दिल्ली। जापान कभी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी था लेकिन आज वह पांचवें नंबर पर फिसल चुका है। दुनिया में जिन देशों की सरकारों पर सबसे ज्यादा कर्ज है, उनमें जापान पहले नंबर पर है। जापान में सरकार का कर्ज उसकी जीडीपी का 237फीसदी पहुंच चुका है। 2025 के अंत तक जापान का सरकारी कर्ज 1,342.172 ट्रिलियन युआन यानी 8.6 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। इसमें बाहरी कर्ज 4.71 ट्रिलियन डॉलर है।

जापान के बाद सबसे ज्यादा सरकारी कर्ज सिंगापुर पर है। इस देश में सरकारी का कर्ज डीजीपी का 173फीसदी है। इसके बाद ग्रीस (154फीसदी), इटली (154फीसदी), दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश अमेरिका (154फीसदी), फ्रांस (154फीसदी), कनाडा (154फीसदी), बेल्जियम (154फीसदी), स्पेन(154फीसदी) और पुर्तगाल (154फीसदी) हैं। यूके (154फीसदी), कई साल से युद्ध में फंसा यूक्रेन (154फीसदी), चीन (154फीसदी), यूरो एरिया (154फीसदी), अर्जेंटीना (154फीसदी) और फिनलैंड (154फीसदी) भी इस लिस्ट में भारत से आगे हैं।

भारत का हाल

भारत इस लिस्ट में 17वें नंबर पर है। भारत में सरकार का कर्ज उसकी जीडीपी का 81.9फीसदी है। भारत के बाद ऑस्ट्रिया का नंबर है जहां सरकार का कुल कर्ज देश की जीडीपी का 81.8फीसदी है। यूरोपियन यूनियन के मामले में यह आंकड़ा 80.7फीसदी, साउथ अफ्रीका में 76.9फीसदी, ब्राजील में 76.5फीसदी, हंगरी में 73.5फीसदी, स्लोवेनिया में 67फीसदी और जर्मनी में 62.2फीसदी है। यूरोपीय देश स्विट्जरलैंड की सरकार पर देश की जीडीपी के 15.7 फीसदी के बराबर कर्ज है। उसके बाद रूस, कोसोवो, बोस्निया हर्जेगोविना, एस्तोनिया, बुल्गारिया, तुर्की और सऊदी अरब का नंबर है।

दिल्ली के रोहिणी में महिला फिजियोथेरेपिस्ट पर चाकू से हमला

● लड़की के कपड़े पहनकर आया था आरोपी जीजा

दिल्ली। रोहिणी सेक्टर 24 के पॉकेट-17 में एक महिला फिजियोथेरेपिस्ट के क्लीनिक में घुसकर चाकू से हमला किया गया है। फिजियोथेरेपिस्ट के क्लीनिक में इलाज के बहाने आरोपित महिला के वेश में आया था और अचानक उसे चाकू मार दी।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, आरोपित फिजियोथेरेपिस्ट का जीजा है। लोगों ने मौके से भाग रहे आरोपित को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। फिजियोथेरेपिस्ट के गले में चाकू लगी है, उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

आरोपित हमला कर क्लीनिक के टॉप फ्लोर पर भाग गया था, जहां कपड़े बदलने के बाद साथ वाली छत से अन्य छतों से होता हुआ भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने आरोपित को पकड़ लिया। आरोपित ने विग लगाया हुआ था, जो क्लीनिक के अंदर ही गिर गया। क्योंकि फिजियोथेरेपिस्ट पर हमला होते ही वह चिल्लाते हुए बाहर आ गई थी। सामने ही मुख्य सड़क है, जहां आरोपित लोगों को देखकर छत पर भाग गया। बुध विहार थाना पुलिस आरोपित का बैग, चाकू, कपड़े और मोबाइल फोन जब्त कर पूछताछ कर रही है।

दिल्ली ब्लास्ट, डॉक्टरों ने अंसार अंतरिम संगठन बनाया था

डॉ. आदिल अहमद | डॉ. मुजम्मिल शकील | डॉ. परवेज अंसारी

● 2016 में कट्टरपंथी विचारधारा अपनाई, वाइट कॉलर मॉड्यूल का मकसद अटैक करना

नई दिल्ली/श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में 'वाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि कई डॉक्टरों ने आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए 'अंसार अंतरिम' नाम का आतंकी संगठन बनाया था। पुलिस ने इस मामले में कई डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इन आरोपियों ने 2016 में कट्टरपंथी विचारधारा को अपनाया था। मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी जांच कर रही है। दिल्ली में 10 नवंबर 2025 को लाल किले के लिए एक कार में ब्लास्ट हुआ था, जिसमें 15 लोगों की जान गई थी। कार में धमाका करने वाला डॉ. उमर नबी था।

इसकी जांच के दौरान ही हरियाणा की अल फलाह यूनिवर्सिटी से कई डॉक्टरों को पकड़ा गया था। तभी इसे वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल नाम दिया गया था।

पिछले साल अक्टूबर में नेटवर्क का पता चला : अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क का पता सबसे पहले बीते साल 19 अक्टूबर को चला था। श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम के बनपोरा में दीवारों पर जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर लगे थे। श्रीनगर पुलिस केस दर्ज किया और सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरिफ निसार डार, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार को गिरफ्तार किया था। इन सभी पर पहले भी पत्थरबाजी के केस दर्ज थे।

पिछले 3 साल में 8000 से ज्यादा म्यूल अकाउंट्स फ्रीज : सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में म्यूल अकाउंट्स (फ्रीज खाते) के बड़े नेटवर्क का भी खुलासा किया है। इनसे टेरर फंडिंग का शक है। 3 साल में ऐसे 8,000 खाते फ्रीज किए हैं। ये अकाउंट अक्सर अनजान लोगों के होते हैं, जिन्हें आसान कमीशन और कम से कम रिस्क का भरोसा देकर लालच दिया जाता था। उन्हें अकाउंट को कुछ समय के लिए पार्किंग अकाउंट के तौर पर इस्तेमाल करने के बहाने अपने बैंकिंग क्रिडेंशियल का पूरा एक्सेस देने के लिए मनाया जाता है।

दुनिया में ईसाई सबसे ज्यादा, मुस्लिम सबसे तेजी से बढ़े

धर्म पर सामने आई नई रिपोर्ट, हिंदू 15 फीसदी हुए

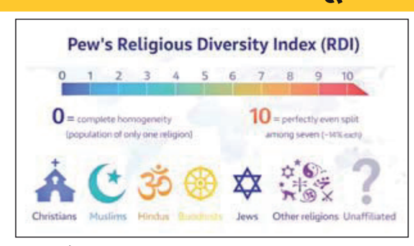

लंदन। दुनिया में धार्मिक विविधता और अलग-अलग मजहब के मानने वालों पर प्यू रिसर्च सेंटर ने रिपोर्ट जारी की है। इससे पता चलता है कि दुनिया में ईसाई धर्म को मानने वाले लोगों का दबदबा बरकरार है। वहीं सबसे तेजी से बढ़ने वाला धर्म इस्लाम है। ईसाई और इस्लाम के बाद नास्तिकों की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके बाद दुनिया में हिंदुओं की आबादी तकरीबन 15 फीसदी है। 201 देशों पर की गई स्टडी में सिंगापुर को दुनिया का सबसे ज्यादा धार्मिक रूप से विविधता वाला देश माना गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईसाई 2.3 अरब की आबादी के साथ दुनिया का सबसे बड़ा ग्रुप बने हुए हैं। हालांकि दुनिया की आबादी की रफ्तार कुछ कम हुई है। इस्लाम दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला बड़ा धर्म है। मुस्लिम पिछले दस सालों में 347 मिलियन (34.7 करोड़) बढ़े हैं। हिंदुओं की आबादी 126 मिलियन (12.6 करोड़) बढ़कर 1.2 अरब हो गई है। हिंदू अब दुनिया की आबादी का 14.9फीसदी है।

दुनिया में नास्तिकों की बड़ी आबादी : दुनिया में नास्तिकों (किसी धर्म को ना मानने वाले) की आबादी तेजी से बढ़ रही है। दुनियाभर में अब किसी धर्म को ना मानने वाले लोगों की संख्या 24.2फीसदी है, जो तीसरी सबसे बड़ी कैटेगरी है। वहीं बौद्ध धर्म को मानने वालों का एकमात्र बड़ा समूह है, जिनकी संख्या में कमी आई है। फरवरी 2026 में प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं, जो प्यू-टेम्पलटन ग्लोबल रिलीजियस फ्यूचर्स प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

धार्मिक विविधता वाले देश : धार्मिक विविधता में सूरीनाम दूसरे नंबर पर है। टॉप 10 में वह अकेला लैटिन अमेरिकी देश है। सूरीनाम में53फीसदी ईसाई हैं। इसके बाद हिंदू (22फीसदी), मुस्लिम (13फीसदी) और नास्तिक लोग (8फीसदी) हैं। इस लिस्ट में टॉप 10 में ताइवान, साउथ कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, मॉरिशस, गिनी-बिसाऊ हैं। टॉप 10 में फ्रांस अकेला यूरोपियन देश है। इसकी आबादी में 46 फीसदी ईसाई, 43 प्रतिशत नास्तिक और मुस्लिम 9फीसदी है। अमेरिका दुनिया के 10 सबसे ज्यादा धार्मिक रूप से अलग-अलग तरह के देशों में नहीं है।

दुनिया में कैसे बंटे हैं धर्म : इस रिपोर्ट में मुस्लिम वह ग्रुप है, जो बहुत कम अलग-अलग तरह के लोगों वाले देशों में सबसे ज्यादा रहता है। हालांकि वे अलग-अलग तरह के लोगों वाली जगहों पर भी रहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि कई मुस्लिम मिडिल ईस्ट-नॉर्थ अफ्रीकी देशों में रहते हैं- जहां ज्यादातर लोग इस्लाम को मानने वाले हैं। ईसाई इस एनालिसिस में शामिल ग्रुप में सबसे ज्यादा फैले हुए हैं। इनके अलग-अलग तरह के लोगों वाले देशों में रहने की सबसे ज्यादा संभावना है। धर्म को ना मानने वाले ज्यादातर लोग अलग-अलग तरह के समाजों में रहते हैं, जैसे चीन, जहां दुनिया की दो-तिहाई अलग-अलग तरह की आबादी रहती है।

हिंदू ज्यादातर भारत में : यहूदी लोग अलग-अलग तरह के देशों में बराबर बंटे हुए हैं। दुनिया की 40फीसदी यहूदी आबादी अमेरिका और 46फीसदी इजरायल में रहती है। हिंदू दुनियाभर के बड़े हिस्से में फैले हैं लेकिन ज्यादा दक्षिण एशिया में हैं। दुनिया के हिंदुओं की करीब 95फीसदी आबादी भारत में रहती है। इसके अलावा बांग्लादेश और नेपाल में हिंदुओं की अच्छी आबादी है। बौद्ध लोग धार्मिक अलग-अलग तरह के लोगों के लेवल पर सबसे ज्यादा फैले हुए हैं। इनमें से करीब 38फीसदी अलग-अलग तरह के देशों में रहते हैं।

इंदौर एमबीए छात्रा हत्याकांड : सहपाठी ने शराब पीकर की थी शव के साथ दरिंदगी

● यू-ट्यूब देखकर आत्मा से बात करने मुंबई में किया टोटका

इंदौर। एमबीए की छात्रा की हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने फरार सहपाठी आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी का व्यवहार असामान्य पाया गया। पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद वह मानसिक रूप से अस्थिर नजर आया और शव के साथ अमानवीय कृत्य करने के बाद मुंबई भाग गया, जहां उसने कथित तौर पर छात्रा की आत्मा से संपर्क करने के लिए टोने-टोटके किए।

द्वारकापुरी थाना पुलिस ने जब आरोपी पीयूष धामनोदिया से पूछताछ की तो वह छात्रा को याद कर रोने लगा और उससे बात करवाने की जिद करने लगा। पुलिस अधिकारियों ने उसे समझाया कि उसने स्वयं हत्या की है और अब सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। इसके बाद आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि हत्या के बाद उसने शराब पी और आपत्तिजनक हरकत की।

'आत्मा से संपर्क' के लिए यूट्यूब से सीखा तरीका

जांच में सामने आया कि मुंबई पहुंचने के बाद आरोपी छात्रा की याद में व्याकुल रहने लगा। उसने यूट्यूब पर आत्मा से बात करने के तरीके खोजे और नाला सोपारा के एक सुनसान इलाके में कथित रूप से टोटके की क्रिया की। इसके लिए उसने कुंकु, हल्दी, चूड़ियां और बिंदिया जैसे श्रृंगार सामग्री खरीदी। छात्रा का आधार कार्ड और अंगूठी उसके पास पहले से थी। आरोपी को विश्वास था कि छात्रा सपने में आकर उससे बात करेगी। थाना प्रभारी मनीष मिश्रा के अनुसार आरोपी की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लग रही है और उसकी चिकित्सकीय जांच कराई जा रही है।

अश्लील वीडियो पोस्ट कर भागा था मुंबई

कृष्ण लालचंदानी (डीसीपी, जोन-1) के मुताबिक, जनकपुरी निवासी पीयूष ने एमबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा की हत्या के बाद ट्रेन से मुंबई फरार होने की बात कबूल की है। उसने पूछताछ में बताया कि ट्रेन में बैठने के बाद ही उसने छात्रा के साथ बनाया अश्लील वीडियो कॉलेज ग्रुप में पोस्ट किया और व्हाट्सएप स्टेटस पर भी अपलोड कर दिया। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि छात्रा के परिजनों को गुमराह करने के लिए उसने उसके मोबाइल से घर न आने के संदेश भेजे। बाद में मुंबई में मोबाइल तोड़कर फेंक दिया।

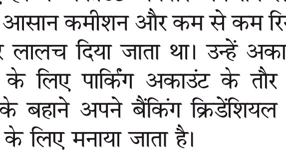

भुवनेश्वर में छत पर धमाका, सीसीटीवी में घटना कैद

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के आजाद नगर में 27 जनवरी को एक घर की छत पर जोरदार धमाका हुआ। इसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, मां-बेटा सहित 4 लोग किसी से बदला लेने के लिए छत पर बम बना रहे थे। इसी दौरान ब्लास्ट हो गया। इससे चारों लोग बुरी तरह झुलस गए। इनमें दो की मौत हो गई है। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। इसमें दिखा की छत पर 4 पानी की टंकियां लाइन से रखी हैं। टंकियों के पीछे अचानक से धमाके के साथ धुएं का गुबार उठा। फिर झुलसे लोग एक-एक कर भागते नजर आए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ताराचंद मालवीय द्वारा जयन ऑफसेट वर्क्स 19 इनारा हाउस, रायसेन रोड,पुल बोगदा, भोपाल 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं ब्यूरो प्रधान कार्यालय : ए-60, सेठी नगर, दुर्गा मंदिर के पास न्यू अशोका गार्डन भोपाल (म. प्र.),भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-लक्ष्मी नारायण सह संपादक- लखन गुरू सलाहकार संपादक :भूपेंद्र निगम (सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) । संपर्क नंबर-8871760319, 0755-4928781

गर्जना रैली व धर्म सभा से पहले दशहरा मैदान से चोरी हुआ साउंड सिस्टम

24 घंटे में कोतवाली पुलिस से पकड़े चोर....माल जब्त

सोनू मालवी छिंदवाड़ा---- कोतवाली से महज कुछ मीटर दूर दशहरा मैदान से लाखों का साउंड सिस्टम चुराकर चोरों ने पुलिस को हलकान कर दिया... लेकिन छिंदवाड़ा पुलिस टीम ने चोरों को 24 घँटे में ही हवालात की हवा खिला दी। मामला बीते रोज हुई गर्जना रैली व धर्म सभा के एक दिन पहले का है,रात में यहाँ रखा साउंड सिस्टम चोरी हो गया था। प्रार्थी दर्गेश साह पिता मंगल साह उम्र 36 साल निवासी नरसिहपुर नाका ने कोतवाली पुलिस को बताया कि 15 फ़रवरी को पोलाग्राउंड में साउंड सिस्टम लगाया था। 16 फरवरी को सुबह जाकर देखा तो साउंड सिस्टम में से तीन एम्पलीफायर मशीन, एक साउंड बाक्स किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गये है। रिपोर्ट पर अपराध क्र. 134/2026 धारा

303(2) बीएनएस पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।घटना के बाद एसपी अजय पांडे, एएसपी आशीष खरे के कुशल मार्गदर्शन में सीएसपी अजय राणा एवं थाना प्रभारी कोतवाली आशीष कुमार धुर्वे के नेतृत्व में तत्काल अपराध विवेचना एवं मुल्जिम पतासाजी के लिये एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम के द्वारा घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान कर आरोपी पराग पिता ईश्वर अग्रवाल उम्र 24 साल निवासी पोला ग्राउण्ड के पास थाना कोतवाली को पकडकर पूछताछ की। आरोपी के द्वारा बताया गया कि उसने अपने तीन अन्य साथी नौशाद पिता फिरोज शाह उम्म्र 19 साल निवासी ईन्दरा कालोनी मोहखेड, शहनवाज पिता दीवान कुरैशी उम्र 18 साल निवासी बस स्टेण्ड के पास मोहखेड तथा एक अन्य बाल अपचारी के साथ मिलकर पोला ग्राउण्ड से तीन एमलीफायर मशीन, एक साउण्ड बाक्स चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस टीम के द्वारा नौशाद शाह, शहनबाज कुरैशी एवं एक बाल अपचारी को पकडकर चारो आरोपीयो से तीन एम्लीफायर मशीन, एक साउण्ड बाक्स घटना में प्रयुक्त दो मोटर सायकल जप्त कर गिरफ्तार किया गया है।

पुरस्कृत होगी चोरों को पकड़ने वाली पुलिस टीम ---- इस चोरी का खुलासा करने वाली टीम में निरीक्षक आशीष कुमार धुर्वे, सउनि ब्रिजेश रघुवंशी, प्रधान आर अनिल विश्वकर्मा, आरक्षक विकाश बैस, विपिन सरेटा, रामकुमार जाटव, सायबर सैल से प्रधान आर नितिन सिंह, आरक्षक आदित्य रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। टीम को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुरूस्कृत किए जाने की घोषणा की गई है।

दमुआ: पति ने लगाई फांसी थोड़ी दूर मिला पत्नी का शव

पुलिस पहुंची घटनास्थल पर शव को किया बरामद, जांच जारी

सोनू मालवी छिंदवाड़ा/ दमुआ ------ जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र के दमुआ थाना इलाके में मंगलवार 17 फरवरी को पति-पत्नी की मौत के बाद हड़कंप मच गया। एक तरफ जहां पत्नी की लाश घर के पीछे ही एक नदी के पास मिली तो वहीं पति का शव घर से एक किलोमीटर दूर पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका देखा गया। संदिग्ध हालत में हुई दोनों मौत की जांच पुलिस कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार घटना दमुआ के वार्ड क्रमांक 8 की बताई जा रही है।

मृतक नरेश बट्टी और भारती डेहरिया लंबे समय से लाइव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। वही मेरी जानकारी अनुसार दोनों के बीच अक्सर वाद विवाद चलते रहता था जिसके चलते नरेश कई बार घर से भाग भी जाता था जिसकी शिकायत भी भारतीय द्वारा दमुआ थाने में गुम इंसान के रूप में कराई गई थी जिसके बाद वह लौट भी आया था। सोमवार रात्रि में भी खाना खाने के बाद दोनों घर के पीछे नदी के पास पहले गए होंगे जहां बैठे-बैठे दोनों के बीच में वाद विवाद की आशंका पुलिस द्वारा बताई जा रही है जिसके बाद नरेश द्वारा पत्थर से हमला कर भारती को मौत के घाट उतार दिया गया था और लगभग 1 किलोमीटर दूर एक पेड़ पर जाकर उसने भी खुदकुशी कर ली है जहां पर वह फांसी के फंदे से लटक गया था। सुबह लगभग 9:30 बजे स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस मौका स्थल पर पहुंची।

पुलिस को संदेह है कि यह पूरा मामला पारिवारिक विवाद का है जहां पर दोनों प्रेमी वर्षों से एक दूसरे के साथ रह रहे थे लेकिन दोनों में लगातार अनबन बनी रहती थी इसी के चलते मृतक ने मृतिका को पहले मौत के घाट उतारा और फिर खुद ने भी अपनी देह लीला समाप्त कर ली।

पहले पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट ---- दमुआ नगर के अप्पू हाल के पीछे नदी के पास हुई सनसनीखेज वारदात के बाद हर कोई सकते में है।

उक्त घटना के बाद आंशका व्यक्त की जा रही है कि महिला को मौत के घाट उतार कर मृतक खुद फांसी के फंदे पर झूल गया होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और मामले में कायमी की जा रही थी।

समाचार लिखे जाने तक दोनों के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु सौंप दिया गया था। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैली रही।

दोस्तों ने उड़ाया मजाक, पिता ने 2 साल तक नहीं की बात, सारी बेड़िया तोड़ सीमा ने हासिल की ये मुकाम

सीमा के गांव का माहौल ऐसा था जहां लड़कियों को घर की चारदीवारी तक ही सीमित रहने की सलाह दी जाती है. सीमा का सपना पुलिस विभाग में जाने का था, इसलिए पिता ने उन्हें पढ़ाई के लिए सागर भेज दिया. इसी दौरान एक दिन वह अपनी सहेली के साथ जिम पहुंचीं. वहां लड़कियों को वेट ट्रेनिंग करते देख वह प्रभावित हुईं और पावर लिफ्टिंग में जाने का फैसला किया.

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर के एक छोटे से गांव से निकलकर 25 वर्षीय सीमा रैकवार ने संघर्ष, साहस और संकल्प की मिसाल पेश की है. आर्थिक तंगी, सामाजिक ताने और पारिवारिक नाराजगी के बीच सीमा ने अपने सपनों को मरने नहीं दिया और हाल ही में सीहोर में आयोजित पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया है.

जहां चारदीवारी के भीतर रहती है लड़कियां

सीमा एक साधारण परिवार से आती हैं. गांव का माहौल ऐसा था जहां लड़कियों को घर की चारदीवारी तक ही सीमित रहने की सलाह दी जाती है. सीमा का सपना पुलिस विभाग में जाने का था, इसलिए पिता ने उन्हें पढ़ाई के लिए सागर भेज दिया. इसी दौरान एक दिन वह अपनी सहेली के साथ जिम पहुंचीं. वहां लड़कियों को वेट ट्रेनिंग करते देख वह प्रभावित हुईं और पहली बार उन्हें पावर लिफ्टिंग के बारे में पता चला. उसी दिन उन्होंने तय कर लिया कि वह इसी खेल में अपना करियर बनाएंगी.

पिता ने किया विरोध

जब गांव में परिवार को इसकी जानकारी मिली तो पिता ने कड़ा विरोध किया. उनका कहना था कि "बेटी जिम जाएगी तो समाज क्या कहेगा?" बात इतनी बढ़ी कि पिता ने शादी की तैयारी शुरू कर दी, लेकिन सीमा ने साफ इंकार कर दिया. इसके बाद पिता ने दो साल तक उनसे बात नहीं की और पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद भी बंद कर दी.

मेडिकल और ब्यूटी पार्लर में किया काम, रोज 70 KM ट्रेन से करती थी अपडाउन

अब सीमा के सामने दोहरी चुनौती थी- एक तरफ पावर लिफ्टिंग में पहचान बनाना और दूसरी ओर आर्थिक तंगी से जूझना. उन्होंने मेडिकल स्टोर और ब्यूटी पार्लर में काम कर अपने खर्च और ट्रेनिंग की फीस जुटाई. वह रोजाना सागर से बीना तक लगभग 70 किलोमीटर का सफर ट्रेन से तय करती थीं. सुबह घर का काम निपटाकर 6 बजे निकल जातीं और देर शाम लौटतीं. कई बार टिकट के पैसे भी नहीं होते थे और ट्रेन में टीसी द्वारा पकड़े जाने की नौबत आ जाती थी.

दोस्तों ने बनाया मजाक

शुरुआती दौर में दोस्तों और परिचितों ने उनका खूब मजाक उड़ाया. जिम करने से शरीर में आए बदलावों पर तंज कसते हुए कहा जाता, "लड़कों जैसी दिखती हो, लड़कों की तरह चलती हो." इन तानों ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ा... एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने बाहर निकलना कम कर दिया. लगातार असफलताओं ने उन्हें खेल छोड़ने तक पर मजबूर कर दिया था, लेकिन उनके गुरु ने उनका हौसला बनाए रखा.

अब हासिल की सिल्वर मेडल

संघर्ष का यही दौर उनकी असली परीक्षा बना. मेहनत और लगन का परिणाम तब मिला जब सीहोर में आयोजित पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने शिवपुरी की खिलाड़ी को कड़ी टक्कर देते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया. यह उपलब्धि न सिर्फ उनके लिए बल्कि पूरे सागर जिले के लिए गर्व का क्षण है. सीमा का कहना है कि यह तो बस शुरुआत है. अब उनका लक्ष्य गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश और देश स्तर पर अपनी पहचान बनाना है. उनका संघर्ष उन बेटियों के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखती हैं.

आधुनिक तकनीक और नवाचार से मिला खेती को नया रूपबिजली बनाने के साथ-साथ स्ट्राबैरी की खेती

एग्री वोल्टेयिक प्लांट के नीचे फल फूल रही स्ट्राबैरी की फसल

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | आमतौर पर कोई भी किसान अपने खेत में सोलर प्लांट नहीं लगाना चाहेगा। क्योंकि सोलर प्लांट की प्लेट्स के चलते उसे खेती करना असंभव हो जाएगा। लेकिन एग्री वोल्टेयिक प्लांट तकनीक के चलते अब सौर उर्जा का उत्पादन और खेती एक साथ की जा सकती है। सागर के आईआईटीयन श्री आनंद जैन ने एग्री वोल्टेयिक प्लांट के नीचे खेती करने का कमाल कर दिखाया है। इतना ही नहीं उनके इस प्लांट के नीचे इजिप्त से मंगवाई गयी स्ट्राबेरी भी उन पहाडी इलाकों की तरह फल फूल रही है, जहां बडे पैमाने पर स्ट्राबैरी की खेती की जाती है और देश भर में सप्लाई की जाती है। खास बात ये है कि बुंदेलखंड में इस मौसम में स्ट्राबैरी के फलने फूलने की संभावना कम रहती है। लेकिन नवम्बर की शुरूआत में ही यहां करीब चार एकड में स्ट्राबैरी फल फूल रही है और स्वाद के मामले में भी कोई कमी नहीं है।

देश का सबसे बडा एग्री वोल्टेयिक प्लांट

एग्री वोल्टेयिक प्लांट की बात करें, तो ये वो तकनीक है, जिसमें किसी खेत में भी सोलर प्लांट लगाकर बिजली के साथ-साथ खेती की जा सकती है। लेकिन सोलर प्लांट की तकनीक जानने वाले सवाल खडा करेंगे कि सोलर प्लेट काफी बडी होती है और इसके नीचे सूरज की रोशनी नहीं पहुंचने पर खेती संभव नहीं है। लेकिन आधुनिक तकनीक ने एग्री वोल्टेयिक प्लांट की तकनीक ईजाद कर ये भी संभव कर दिखाया है। इस तकनीक के तहत सोलर पैनल इस तरह लगाए जाते हैं कि फसल को भी जरूरी सूरज की रोशनी मिल सके और प्लांट के नीचे फसलें पहली की तरह पनप सकें। आईआईटीयन श्री आनंद जैन ने सागर के मसानझिरी इलाके में स्थित अपने फार्महाउस में करीब 16 एकड का एग्री वोल्टेयिक प्लांट लगाया है, जिसके नीचे खेती भी हो रही है। और बिजली का उत्पादन भी।

ऊपर बिजली उत्पादन और नीचे स्ट्राबैरी की खेती

एग्री वोल्टेयिक प्लांट के नीचे आनंद जैन ने करीब 16 तरह की अनाज, सब्जी और दूसरी फसलों की खेती का प्रयोग पिछले साल किया था। आईआईटियन श्री आनंद जैन बताते हैं कि एग्री वोल्टेयिक प्लांट के बारे में आप जानते हैं कि ऊपर बिजली बन रही है और नीचे हम खेती कर रहे हैं। मैंने प्लांट के कालम की ऊंचाई इतनी रखी है कि खेती के लिए ट्रैक्टर इसके नीचे से निकल सके। लेकिन इस तरह से खेती करने के कई फायदे और कई फसलों के लिए नुकसान भी होता है। क्योंकि कई पौधे ऐसे होते हैं,जिनके लिए दिन भर की धूप की जरूरत होती है। ऐसे में एग्री वोल्टेयिक प्लांट के नीचे ये करना थोडा कठिन है और असफलता भी हो सकती है। इसी प्रयोग से उन्हें रास्ता मिला कि प्लांट के नीचे स्ट्राबैरी की खेती की जा सकती है। क्योंकि उसे दिन भर सूरज की रोशनी की जरूरत नहीं होती है और बुंदेलखंड के तापमान से कम तापमान की जरूरत भी होती है।

इजिप्ट से मंगाए स्ट्राबैरी के प्लांट, खुद तैयार की नर्सरी

आईआईटीयन श्री आनंद जैन को प्रायोगिक तौर पर सफलता मिली तो उन्होंने बडे पैमाने पर स्ट्राबैरी की खेती करने का प्लान बनाया। स्ट्राबैरी के पौधों की नर्सरी तैयार करने उन्होंने इजिप्त से मदर प्लांट मंगाए। श्री आनंद जैन कहते हैं कि स्ट्रॉबेरी एक ऐसी फसल है,जो आमतौर पर पहाड़ों पर महाबलेश्वर जैसी जगहों पर होती है, क्योंकि उसके लिए ठंडक की जरूरत होती है। एग्री वोल्टेयिक प्लांट के नीचे तापमान 3 से 4 डिग्री कम हो जाता है। मैंने ये प्रयोग पिछले साल छोटे पैमाने पर किया था। क्योंकि स्ट्रॉबेरी की खेती में काफी लागत आती है। उस वक्त मुझे सफलता के साथ कुछ कमियां समझ में आई। तब हमने उसमें सुधार किया। हमने इजिप्ट से मदर प्लांट बुलाकर यहां पर नर्सरी तैयार की यह जो नया वातावरण तैयार हुआ है, इसे माइक्रो क्लाइमेट कहते हैं। यह स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयुक्त पाया गया। जब अच्छे परिणाम दिखे, तो हमने बड़े पैमाने पर किया। श्री आनंद जैन कहते हैं कि मैं चाहता था कि सागर के लोगों को स्ट्राबैरी उसी समय पर मिले, जब पहाडों पर मिलने लगती है। इसके लिए जरूरी था कि हम इसे समय से पहले रोप सके।

पहली बार में ज्यादा लागत, लेकिन फायदे भी बहुत

श्री आनंद जैन बताते हैं कि स्ट्राबैरी की खेती लागत वाली खेती है। ऐसे में एग्री वोल्टेयिक प्लांट के नीचे इसको करने के लिए उन्होंने काफी अध्ययन किया। उनका कहना है कि जहां तक लागत की बात है, तो इसमें ज्यादा लागत जरूर लगती है, लेकिन कई फायदे भी होते हैं। मल्चिंग के प्रयोग के कारण खरपतवार नहीं होती है और प्लांट के नीचे तापमान भी कम होता है, जो स्ट्रॉबेरी के लिए काफी मददगार होता है। प्लांट की छाया के कारण पानी की भी बचत होती है। सिंचाई के लिए ड्रिप सिस्टम का उपयोग किया जाता है, तो वैसे भी पानी कम लगता है। इसका एक फायदा और भी है कि माइक्रोन्यूट्रिएंट्स और मेडिसिंस पहुंचने के लिए हम फिल्टर सिस्टम का उपयोग कर सकते हैं। मल्चिंग का एक फायदा ये भी है कि हमारे जो सोलर पैनल है, वह बाय फेशियल है, तो ऊपर से सूरज की रोशनी से तो बिजली बन ही रही है। नीचे मल्चिंग के कारण जो रोशनी रिफ्लेक्ट हो रही है, उससे भी बिजली बनाने में मदद मिल रही है। इस तरह दोनों तरफ से बिजली बन रही है।

क्या है एग्रीवोल्टेइक प्रणाली

एग्रीवोल्टाइक प्रणाली, जिसे कृषि-वोल्टीय प्रणाली या 'सौर-खेती' भी कहा जाता है, एक नई तकनीक है जिसमें किसान अपनी फसलों के उत्पादन के साथ-साथ बिजली का उत्पादन भी कर सकते हैं। इस प्रणाली में फोटो-वोल्टाइक (PV) तकनीक का उपयोग करके कृषि योग्य भूमि पर सौर पैनल स्थापित किये जाते हैं। यह तकनीक पहली बार वर्ष 1981 में एडॉल्फ गोएट्ज़बर्गर और आर्मिन ज़ास्ट्रो द्वारा पेश की गई थी। 2004 में जापान में इसका प्रोटोटाइप विकसित किया गया और कई परीक्षणों के बाद 2022 में पूर्वी अफ्रीका में इसे लागू किया गया। वर्तमान में भारत, अमेरिका, फ्राँस, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देशों में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, भारत में यह तकनीक अभी अपने प्रारंभिक चरण में है।

सौर बिजली उत्पादन के लिए सरकारी सहायता

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार (M.N.R.E) ने देश के किसानों की आय में बढ़ोतरी के उद्देश्य से साल 2019 में "प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान"- कुसुम (KUSUM) योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के अंतर्गत किसानों को अपना सोलर पम्प स्थापित करने और कृषि पम्पों के सौर-करण के लिए सब्सिडी प्रदान की जाती है। किसान दो मेगावाट तक ग्रिड से जुड़े सौर विद्युत संयंत्र भी स्थापित कर सकते हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान) योजना के द्वारा किसानों के लिये ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। केन्द्र सरकार की इस योजना को प्रदेश में 'प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना' के नाम से संचालित किया जा रहा है। इसमें (कुसुम-ब) कृषकों के यहां ऑफ ग्रिड सोलर पम्पों की स्थापना की जाती है। योजना में किसानों को 1 एच.पी. से 7.5 एच.पी. तक क्षमता के पम्प पर 90 प्रतिशत सब्सिडी (अनुदान) दिये जाने का प्रावधान किया गया है। इसमें सभी वर्ग को समान सब्सिडी (अनुदान) प्रदान की जाती है। योजनांतर्गत 1 से 7.5 हार्सपावर तक के सोलर पंप की बेंचमार्क लागत का 30 प्रतिशत अनुदान भारत सरकार द्वारा दिये जाने का प्रावधान है। सोलर पंप की वास्तविक लागत का लगभग 10 प्रतिशत कृषक अंशदान व लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा कृषक ऋण राशि के रूप में लिया जाने का प्रावधान किया गया है, जिसका ब्याज सहित भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा।कुसुम योजना के तहत किसानों को अपने खेतों या घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने और डीजल या बिजली से चलने वाले पम्पिंग सेट्स को सौर बिजली से चलने वाले सोलर प्लांट से विस्थापित करने के लिए रियायती दरों पर आर्थिक सहायता दी जाती है| कुसुम योजना के तहत किसानों को सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए 30% से 60% तक अनुदान या आर्थिक मदद देकर प्रोत्साहित किया जाता है।

सागर पुलिस की संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा और तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण

सीसीटीवी पुलिस कंट्रोल रूम सागर ने ड्यूटी से आगे सेवा मानकर चार दिन की अथक मेहनत से यात्री का खोया कीमती सामान सुरक्षित लौटाया

• सागर, प्रतिनिधि

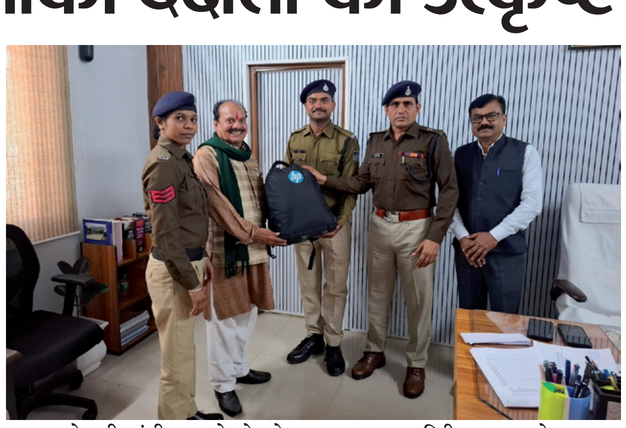

सागर | पुलिस का सीसीटीवी कंट्रोल रूम न केवल तकनीकी संसाधनों के माध्यम से अपनी नियमित ड्यूटी का निर्वहन करता है, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और नागरिकों के प्रति कर्तव्यबोध के साथ ड्यूटी से आगे बढ़कर भी पीड़ितों की हरसंभव सहायता करता है। यह कंट्रोल रूम, नोडल अधिकारी सीसीटीवी जिला सागर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री लोकेश कुमार सिन्हा के निर्देशन में लगातार आम नागरिकों की मदद कर पुलिस की सकारात्मक, संवेदनशील और भरोसेमंद छवि प्रस्तुत कर रहा है।इसी क्रम में दिनांक 03/02/2026 को ग्राम देवलचौरी, थाना जैसीनगर निवासी श्री हरिओम तिवारी सीसीटीवी कंट्रोल रूम सागर पहुंचे, जिन्होंने उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान को अवगत कराया कि उनकी बहन मोतीनगर से बस स्टैंड तक ऑटो से आई थीं, किंतु उनका बैग ऑटो में ही छूट गया है। उक्त बैग में कपड़े एवं आवश्यक कीमती सामान रखा हुआ था।मामले की गंभीरता को देखते हुए सीसीटीवी कंट्रोल रूम टीम तत्काल सक्रिय हुई। प्रारंभिक स्तर पर सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर जांच की गई, जिसकी जिम्मेदारी सीसीटीवी ऑपरेटर रेखा रजक को सौंपी गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि संबंधित ऑटो पर रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं था, तथा शहर में समान प्रकार के कई ऑटो संचालित होने के कारण केवल सीसीटीवी फुटेज देखने से सफलता नहीं मिल सकी।यहां यह उल्लेखनीय है कि सीसीटीवी टीम ने इसे मात्र अपनी ड्यूटी मानकर सीमित नहीं किया। भले ही आगे की औपचारिक जिम्मेदारी समाप्त हो चुकी थी, फिर भी पीड़ित को राहत दिलाने के उद्देश्य से टीम ने पारंपरिक तरीकों से हटकर अतिरिक्त प्रयास करने का निर्णय लिया।इसके पश्चात उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान एवं चीता-05 मोतीनगर में पदस्थ आरक्षक बद्री सिंह द्वारा एक नवीन एवं प्रभावी रणनीति अपनाई गई। शहर की विभिन्न ऑटो एजेंसियों से संपर्क कर उन ऑटो चालकों एवं मालिकों की जानकारी एकत्र की गई, जिनके ऑटो अभी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में थे। इस प्रयास में करीब 15 ऑटो मालिकों के मोबाइल नंबर एवं विवरण प्राप्त किए गए।सभी ऑटो चालकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर पूछताछ की गई, जिसके परिणामस्वरूप उस ऑटो चालक की पहचान हो सकी, जिसमें बैग छूट गया था। संबंधित ऑटो चालक को सीसीटीवी कंट्रोल रूम बुलाया गया, जहां से बैग को पूर्णतः सुरक्षित अवस्था में बरामद किया गया।आज दिनांक को सीसीटीवी कंट्रोल रूम सागर में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री लोकेश कुमार सिन्हा के निर्देशन में श्री हरिओम तिवारी को उनका बैग सुपुर्द किया गया, जिसमें रखे सभी कपड़े एवं कीमती सामान सुरक्षित पाए गए। बैग प्राप्त होने पर श्री तिवारी ने सागर पुलिस, सीसीटीवी कंट्रोल रूम एवं पूरी टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर संबंधित ऑटो चालक को सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में यदि किसी भी यात्री का सामान वाहन में छूटता है, तो उसे तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या कंट्रोल रूम में जमा कराना सुनिश्चित करें।सराहनीय भूमिकाइस मानवीय, संवेदनशील एवं सराहनीय कार्य में उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान, सीसीटीवी ऑपरेटर रेखा रजक, आरक्षक बद्री सिंह (चीता-05 मोतीनगर) तथा संपूर्ण सीसीटीवी कंट्रोल रूम टीम की भूमिका अत्यंत प्रशंसनीय रही। टीम की लगन, धैर्य, तकनीकी दक्षता और ड्यूटी से आगे बढ़कर किए गए प्रयासों के कारण एक आम नागरिक को समय पर राहत मिल सकी।सागर पुलिस आमजन की सहायता, सुरक्षा एवं विश्वास बनाए रखने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशील, उत्तरदायी एवं जनहितकारी पुलिसिंग करती रहेगी।